बर्षः- 06
अंकः- 110
मुरादाबाद
(Sunday)
09 August 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक

प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

AI सुपरकंप्यूटर 'परम प्रज्ञा' का उद्घाटन

पीएम मोदी बोले- मुझे आप सभी पर गर्व है, बेटियों के मेधावी होने से स्थिति और बेहतर होती

आईआईटी दिल्ली ने अपना 57वां दीक्षांत समारोह शनिवार को भव्यता के साथ आयोजित किया।इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने संस्थान के 3036 मेधावी छात्रों को डिग्री प्रदान की।भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइ ंआईटी) दिल्ली का 57वां दीक्षांत समारोह शनिवार को आयोजित किया गया। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने जेन जी से लेकर 74 वर्षीय शोधार्थी सहित 3036 छात्रों को डिग्री प्रदान की।प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर मेधावी छात्रों को राष्ट्रपति स्वर्ण पदक, निदेशक स्वर्ण पदक और अन्य प्रतिष्ठित पदक भी दिए। उन्होंने आईआईटी दिल्ली के सोनीपत परिसर में स्थापित एआई संचालित उच्च-प्रदर्शन सुपरकंप्यूटिंग सुविधा परम प्रज्ञा का उद्घाटन भी किया। आपके बीच आना सुखद अनुभव है- पीएम मोदी- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आईआईटी दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा, %आज देश के आप सभी प्रतिभाशाली युवाओं के जीवन की नई यात्रा शुरू हो रही है। आप इस समय जीवन के एक यादगार पल को जी रहे हैं। उत्साह, उमंग, सपनों और भावनाओं से सराबोर इस क्षण का हिस्सा बनना, आईआईटी दिल्ली के इस कैंपस में आना, आपके साथ ये अनुभव साझा करना, मेरे लिए भी बहुत खास है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज आईआईटी दिल्ली में एआई से जुड़े कुछ नई पहल भी शुरू हुई है। मैं इसके लिए भी आप सबको बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं। आज आप सभी और सारे छात्र इस कार्यक्रम में उपस्थित हैं लेकिन मन के किसी कोने में कुछ और चल रहा होगा। हर छात्र के मन में आने वाले कल की अपनी-अपनी तस्वीर होगी। कई छात्र अपनी पहली सेलरी का इंतजार कर रहे होंगे। कोई नए शहर में नई शुरूआत की तैयारी में होगा। कई साथी अपने पहले स्टार्टअप का सपना देख रहे होंगे। हर किसी का रास्ता अलग है। हर किसी का सपना अलग है लेकिन इन सबके बाद भी एक एहसास ऐसा है जो आप सभी के मन में एक सा होगा।% प्रधानमंत्री ने कहा, %कैंपस का जीवन और कैंपस के बाहर का जीवन, इन दोनों में बहुत बड़ा अंतर होता है। आईआईटी की परीक्षा में सिलेबस होता है लेकिन जिंदगी की परीक्षा में सब कुछ आउट ऑफ सिलेबस होता है। जिंदगी कुछ अलग तरह से चलती है। वहां न कोई तय कोर्स होता है न कोई प्रश्न पत्र होता है। कई बार तो ये भी कोई नहीं बताता कि असली सवाल क्या था। वो सवाल भी आपको खुद पहचानना पड़ता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, हर पीढ़ी का अपना एक राष्ट्रीय दायित्व भी होता है। हमारे देश ने गुलामी का वो समय भी देखा है जब उस पीढ़ी के सामने केवल एक ही लक्ष्य था, भारत की आजादी। उसके लिए उन्होंने लंबा संघर्ष किया। आज हम स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं, इसके पीछे उस पीढ़ी का तप, त्याग और बलिदान है। आज के इस दौर में हमारे सामने चुनौतियां भी अलग हैं, इसलिए हमारे दायित्व भी अलग हैं। अपने जीवन के अगले 30-35 साल में आप जो कुछ भी करेंगे वो विकसित भारत की हमारी यात्रा को प्रभावित करेगा। इसलिए आपके हर निर्णय का आधार ये भी होना चाहिए कि इससे देश को क्या फायदा पहुंचेगा, इससे देश की कौन सी जरूरत पूरी होगी।आईआईटी दिल्ली के दीक्षांत समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छात्रों को उनकी उपलब्धियों पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि डिग्री हासिल करने के साथ छात्रों को देश के विकास में योगदान देने का संकल्प भी लेना चाहिए।उन्होंने डिग्री पाने वाले छात्रों को बधाई दी और उनसे देश के विकास में योगदान देने का आह्वान किया। समारोह में 587 पीएचडी शोधार्थियों समेत 3,000 से अधिक छात्रों को डिग्री दी गई। छात्रों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इस खास मौके का हिस्सा बनकर उन्हें खुशी हो रही है और उन्हें छात्रों की उपलब्धियों पर गर्व है। उन्होंने कहा, आज जिस तरह आपके परिवार गर्व महसूस कर रहे हैं, मुझे भी आप सभी पर गर्व है। आप सिर्फ डिग्री ही नहीं ले रहे हैं, बल्कि देश के लिए कुछ करने के सपने को आगे बढ़ा रहे हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शानदार प्रदर्शन करने वाले छात्रों को आईआईटी दिल्ली के प्रतिष्ठित शैक्षणिक पुरस्कार प्रदान किए। इनमें राष्ट्रपति स्वर्ण पदक, निदेशक स्वर्ण पदक, शंकर दयाल शर्मा स्वर्ण पदक और परफेक्ट टेन स्वर्ण पदक शामिल हैं। एक हल्के-फुल्के पल में, पीएम मोदी ने छात्राओं के शानदार प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा, अगर कुछ बेटियां मेधावी छात्राएं होतीं, तो स्थिति और भी बेहतर होती। माफ कीजिए, सिर्फ कुछ नहीं, बल्कि बहुत सी। आईआईटी दिल्ली में छात्रों के अब तक के सफर का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि इस समय छात्र अपने भविष्य को लेकर कई चीजों के बारे में सोच रहे होंगे। इनमें करियर, वेतन, नए शहर में जाना और अपना स्टार्टअप शुरू करना जैसी बातें शामिल हो सकती हैं। आईआईटी दिल्ली के निदेशक रंगन बनर्जी ने कहा कि इस वर्ष 3036 छात्रों को डिग्री मिली। इनमें 587 पीएचडी, 567 एमटेक और 1049 बीटेक के छात्र शामिल हैं। संस्थान ने वित्त वर्ष 2025-26 में लगभग 600 करोड़ रुपये के प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य किया है। पिछले एक वर्ष में 196 नए पेटेंट दाखिल किए गए और 26 नए स्टार्टअप स्थापित हुए। आईआईटी दिल्ली ने देशभर के 18 राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों के साथ शैक्षणिक और शोध सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। संस्थान ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी प्रगति की है, जिसमें 30 देशों के साथ 88 सक्रिय समझौते शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

राहुल गांधी का सरकार से सीधा सवाल; तीन साल बाद भी क्यों नहीं लागू हुआ कानून?

महिला आरक्षण कानून को लेकर राहुल गांधी ने केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू की चुनौती का जवाब देते हुए कहा कि कांग्रेस पहले ही विधेयक का समर्थन कर चुकी है। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि 2023 में पारित कानून अब तक लागू क्यों नहीं हुआ और इसे परिसीमन से क्यों जोड़ा जा रहा है। कांग्रेस की मांग है कि महिलाओं को 33% आरक्षण बिना किसी शर्त के लागू किया जाए।कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू की उस चुनौती का जवाब दिया, जिसमें उन्होंने कांग्रेस से 'महिला आरक्षण विधेयक को बिना शर्त समर्थन' देने को कहा था। राहुल गांधी ने केंद्र सरकार से सवाल किया कि आखिर इस कानून को लागू करने की प्रक्रिया को लोकसभा में परिसीमन की प्रक्रिया से क्यों जोड़ा जा रहा है।

राहुल गांधी ने महिला आरक्षण कानून को लेकर क्या कहा?- कांग्रेस का रुख दोहराते हुए राहुल गांधी ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023' को बिना किसी शर्त के लागू करने की मांग की। गांधी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा,% रिजिजू, संसदीय कार्य मंत्री के तौर पर आपसे बेहतर कौन जानता है कि महिला आरक्षण विधेयक, 2023 पहले ही कांग्रेस के पूरे समर्थन से सर्वसम्मति से पारित हो चुका है। सवाल यह है कि तीन साल बाद भी इसे लागू क्यों नहीं किया गया है और अब आप इसे बेवजह परिसीमन से क्यों जोड़ना चाहते हैं? 2023 का कानून लागू करें।

मायावती का अखिलेश यादव के ब्राह्मण प्रेम पर हमला, बोलीं- 'पीडीए' में अब 'पी' से पंडित करना राजनीतिक छल

बसपा प्रमुख मायावती ने अखिलेश यादव के पीडीए में 'पी' को 'पंडित' बताए जाने पर सपा पर निशाना साधा। उन्होंने इसे राजनीतिक छल और चुनावी स्वार्थ बताया। मायावती ने कहा कि सपा संकीर्ण जातिवादी राजनीति करती है, जबकि बसपा सर्वसमाज हित की नीति पर चलती है और लोगों को ऐसी राजनीति से सावधान रहना चाहिए।बसपा प्रमुख मायावती ने समाजवादी पार्टी के 'पीडीए' फॉर्मूले को लेकर सपा पर तीखा हमला बोला है। शनिवार को सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने कहा कि बसपा 'सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय' की नीति पर चलने वाली सर्वसमाज हितैषी अंबेडकरवादी पार्टी है और उत्तर प्रदेश में चार बार इसी आधार पर सरकार चला चुकी है। मायावती ने आरोप लगाया कि सपा अपनी संकीर्ण जातिवादी राजनीति और चुनावी स्वार्थ के कारण समय-समय पर अपना रंग बदलती रहती है। उन्होंने कहा कि सपा पहले पीडीए में 'पी' से पिछड़ा प्रचारित करती थी, लेकिन अब अपरकास्ट, खासकर ब्राह्मण समाज के बसपा से तेजी से जुड़ने और पार्टी द्वारा उन्हें उम्मीदवार बनाए जाने से विचलित होकर 'पी' से 'पंडित' करने लगी है।उन्होंने इसे सपा के राजनीतिक छल और छलावे का प्रमाण बताया। मायावती ने कहा कि ऐसी राजनीति से किसी व्यक्ति को कुछ समय के लिए लाभ मिल सकता है, लेकिन पूरे समाज का भला नहीं हो सकता।बसपा प्रमुख ने सर्वसमाज के लोगों से ऐसी राजनीति से सावधान रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि संकीर्ण जातिवादी राजनीति से सतर्क रहना समय की मांग और सर्वसमाज के हित में है। पढ़िए मायावती ने क्या कहा . जैसाकि सर्वविदित है कि बहुजन समाज पार्टी (बी.एस.पी.) सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय की नीति व सिद्धान्त पर अमल करने वाली सर्वसमाज हितैषी अम्बेडकरवादी पार्टी है और यूपी में चार बार रही सरकार भी इसी के आधार पर चलायी है, जबकि समाजवादी पार्टी (सपा) अपनी संकीर्ण जातिवादी राजनीति व चुनावी स्वार्थ आदि की ख़ातिर जग ज़ाहिर तौर पर गिरगिट की तरह ही रंग बदलती रहती है। . इसी क्रम में सपा द्वारा प्रचारित इनका कथित %पीडीए% अर्थात् (पिछड़ा, दलित, अक्लियत) में पहले %पी% से %पिछड़े% प्रचारित करने के बाद अब, अपरकास्ट समाज में ख़ासकर ब्राह्मण समाज को बी.एस.पी. से तेज़ी से जुड़ता हुआ देख व उसी के आधार पर ही पार्टी उम्मीदवार भी बनाये जाने से विचलित होकर, सपा ने अब पी से पण्डित कर दिया है, जो इनके राजनीतिक छल व छलावे का एक और जीता-जागता प्रमाण नहीं तो और क्या है? ऐसे राजनीतिक छल व छलावे कि राजनीति से किसी व्यक्ति विशेष का कुछ समय के लिए वक़्ती तौर पर थोड़ा भला तो हो सकता है, किन्तु इससे उस सम्पूर्ण समाज का भला कभी नहीं हो सकता है। इसलिए सर्वसमाज के लोगों को ऐसी छलावापूर्ण समाजवादी पार्टी (सपा) व उसकी ऐसी संकीर्ण जातिवादी राजनीति से ज़रूर सावधान रहना चाहिये, यह समय की मांग व सर्वसमाज के हित में भी है।

बरेली में उलमा बोले- आजमाइश का दौर है, सब्र से काम लें मुसलमान, बिना जरूरत न करें प्रदर्शन

बरेली में आला हजरत के उर्स पर मथुरापुर स्थित जमीयतुर्रजा में इमाम अहमद रजा कॉन्फ्रेंस हुई। मुफ्ती मोहम्मद असजद रजा खां कादरी की सरपरस्ती में उलमा ने मुफ्ती-ए-आजम और ताजुश्शरिया पर प्रकाश डाला। मौलाना जाहिद ने मुसलमानों से सब्र रखने और प्रदर्शन से बचने की अपील की। बरेली में आला हजरत इमाम अहमद रजा खां फाजिले बरेलवी के उर्स पर मथुरापुर स्थित जमीयतुर्रजा में इमाम अहमद रजा कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। देश-विदेश के उलमा और सज्जादागान ने मुफ्ती-ए-आजम हिंद और ताजुश्शरिया की जिंदगी पर रोशनी डाली। दरगाह ताजुश्शरिया के सज्जादानशीन काज़ी-ए-हिन्दुस्तान मुफ्ती मोहम्मद असजद रजा खां कादरी की सरपरस्ती में कार्यक्रम की शुरुआत हुई। सदारत जमात रजा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व उर्स प्रभारी सलमान मियां की रही और जामत के राष्ट्रीय महासचिव फरमान मियां की निगरानी में देर रात तक तकरीर का सिलासिला जारी रहा। मौलाना जाहिद ने अपनी तकरीर में कहा मजहब और मसलक से दूरी और आपसी अख्तेलाफ (मतभेद) का भी फायदा उठाया जा रहा है। मुसलमान दर्द और बेचैनी के हालात में फंसा है। आजमाइश के दौर से गुजर रहा है। लिहाजा मुसलमानों से अपील है कि सब्र से काम लें और बिना जरूरत प्रदर्शन करने से बचें। इंतजार अहमद ने कहा कि उन नफरती लोगों से बचें जो मुल्क को तोड़ने के लिए हिंदू और मुस्लिम के बीच खाई खोदना चाहते हैं।

मेरठ में सीएम योगी ने की कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा

सीएम योगी बोले-4.5 करोड़ कांवड़िए करेंगे जलाभिषेक, सामाजिक एकता की मिसाल हैं शिवभक्त

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेरठ में कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया। उन्होंने कहा कि सावन के महीने में चल रही पवित्र कांवड़ यात्रा में हरिद्वार की हर की पौड़ी से गंगाजल लेकर शिवभक्त अपनी मंजिल की ओर बढ़ रहे हैं। सावन शिवरात्रि तक 4 से 4.5 करोड़ कांवड़ियों के जलाभिषेक करने का अनुमान है।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को मेरठ पहुंचे। यहां उन्होंने कांवड़ यात्रा के दौरान शिवभक्त कांवड़ियों पर गुलाब के फूलों की पंखुड़ियां बरसाकर उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सावन के महीने में पवित्र कांवड़ यात्रा चल रही है और भगवान शिव के भक्त हरिद्वार की हर की पौड़ी से पवित्र जल लेकर अपनी मंजिल की ओर बढ़ रहे हैं।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सावन शिवरात्रि तक करीब 4 से 4.5 करोड़ भक्त हरिद्वार से पवित्र जल लेकर अपने-अपने क्षेत्रों में पहुंचेंगे और शिव मंदिरों में जलाभिषेक करेंगे। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह कांवड़ यात्रा की व्यापकता को दर्शाता है।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से सभी कांवड़ियों का स्वागत और अभिनंदन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांवड़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उनका गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए सरकार पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कांवड़ यात्रा में श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता बताया। जाति-प्रांत से ऊपर उठकर एकता का संदेश दे रहे कांवड़िए-योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांवड़िए अपनी भक्ति के साथ सामाजिक एकता, सामाजिक समानता और राष्ट्रीय अखंडता की मिसाल भी पेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जाति, प्रांत और क्षेत्र की सीमाओं से ऊपर उठकर शिवभक्त इस यात्रा में शामिल हो रहे हैं और उनकी हर सांस भगवान शिव को समर्पित है। मेरठ में शनिवार को कांवड़ यात्रा के दौरान दुल्हैडा चुंगी पर शिवभक्तों पर पुष्पवर्षा की गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शोभित विश्वविद्यालय के हेलीपैड से कार द्वारा कार्यक्रम स्थल पहुंचे और हरिद्वार से कांवड़ लेकर लौट रहे कांवड़ियों का फूल बरसाकर स्वागत किया। मुख्यमंत्री करीब 30 मिनट मेरठ में रहे।मेरठ में शनिवार को कांवड़ियों पर फूलों की बारिश हुई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दुल्हैडा चुंगी पहुंचे और हरिद्वार से कांवड़ लेकर लौट रहे शिवभक्तों पर पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया। भगवा रंग में रंगे कांवड़ मार्ग पर फूलों की बारिश और शिवभक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था। मुख्यमंत्री करीब 30 मिनट मेरठ में रहे। कांवड़ मार्ग पर बड़ी संख्या में शिवभक्त मौजूद रहे। भगवा रंग में रंगे मार्ग पर फूलों की बारिश और कांवड़ियों का उत्साह देखते ही बना। मुख्यमंत्री करीब 30 मिनट कार्यक्रम स्थल पर रहे। कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा के बाद मुख्यमंत्री कार से वापस शोभित विश्वविद्यालय के हेलीपैड के लिए रवाना हुए। यहां से उनका हेलिकॉप्टर गाजियाबाद के हिंडन एयरपोर्ट के लिए रवाना हुआ। मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान कांवड़ यात्रा की व्यवस्थाओं पर भी प्रशासन की नजर रही। कांवड़ियों की लगातार बढ़ती संख्या को देखते हुए मार्गों पर निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया।

संपादकीय Editorial

The Manusmriti is not the original text.

The Rajya Sabha, the upper house of Parliament, is a house of distinguished and mature figures, a house of leaders and intellectuals with vast and varied experience... but the blathering of the Manusmriti in the context of the paper leak, the youth movement, and the pellet gun... is truly ironic, a manifestation of mental dwarfism. In fact, there is a segment of Indian politics that is completely unconcerned with modern technology, the ever-changing global landscape, current development, the economy, employment, artificial intelligence, and space-related activities. They may possess old degrees that are completely irrelevant today. This segment has been doing politics by circulating rhetoric about forward-backward, upper-caste-Dalit, and Hindutva communalism. This segment claims secularism and is therefore a staunch opponent of the Manusmriti. This gains them votes. They don't understand that secularism doesn't mean "only Muslims." Leader of the Opposition in the Rajya Sabha, Mallikarjun Kharge, is a Dalit leader and has been involved in parliamentary politics for over five decades. He has served as a Cabinet Minister in the Karnataka government and the Congress-led UPA government at the Centre. Even today, his parliamentary and constitutional status is equivalent to that of a Union Minister. It is surprising that even today, he expresses his intense anger and hatred by referring to the Manusmriti and considers it a religious text of the Sanatanists, parallel to the Indian Constitution. This thinking, perception, and establishment is completely wrong, because the Manusmriti is not a book. Of course, 49-50 editions of it are available today. All publishers have compiled and edited the Manusmriti in their own way. Wikipedia also considers it a book, citing 12 chapters and 2694 verses. Wikipedia must be referring to a particular edition. Clearly, no one has any knowledge of the original text of the Manusmriti or the period of its creation. The story of Manu, the first man, is believed to be based on a cataclysmic cataclysm and the destruction of the universe. Humankind is considered to be Manu's descendants. Jaishankar Prasad created the beautiful epic poem "Kamayani," based on Manu and Shraddha. Scholars estimate, though there is no confirmed information or facts, that Manu's era would be 4 billion years old. What kind of people would Manu and Shraddha be then? How would they have lived their lives? There was neither Adi Dharma nor Hinduism at that time. The printing press was not even imagined, so how did the book appear? Education, curriculum, language, alphabet, or arithmetic existed, so who wrote the book and how? It must have been a fierce struggle to survive then! So, where did the Manu Smriti come from, which a supposedly secular political party like the Congress labeled "Sanatanist" and communal? Other parties have followed the same path. Comparing the Manu Smriti and the Constitution of independent India is simply wrong. It goes against the grain of sociology, political science, and poetics. Comparisons can only be made between two contemporary, similar objects, similar personalities, and similar texts. Manusmriti itself established the norms, rules, laws, values, and structures related to society, family, class, and caste. This misleading information has been spread by edited books, and therefore, Manusmriti is not opposed to the Constitution. The book that Baba Ambedkar burned has been symbolically attributed to Manusmriti. Baba Baba never provided any such facts. In fact, those who today harp on Manusmriti and consider women subservient.

Smiles returning to the faces of the elderly: A sense of belonging is being fostered by a youth initiative; why is a social internship setting an example?

If young people spend a few hours with the elderly in an old-age home, it can be a source of learning and happiness for both generations. Old-age homes are not just a shelter, but a symbol of the helplessness of countless elderly people who suffer the pain of separation from their families in the twilight of their lives. Imagine what the physically and mentally disabled parents must be going through when their children talk about sending them to old-age homes. Elderly people living in old-age homes receive food, medicine, and accommodation, but do they receive the same affection and love as their children? Probably not!

A commendable initiative has been launched at the old-age home in Amphalla, Jammu, with the aim of providing a happy, respectful, and socially active life to elderly people separated from their families and neglected. Its aim is to reduce loneliness and strengthen their sense of connection to family and society through meaningful dialogue, participation, and an atmosphere of belonging. A program is conducted here in collaboration with various social organizations and educational institutions, aptly named "Social Internship." This ashram is called "Home for the Aged and Infirm," meaning a shelter for the elderly and the mentally and physically disabled. Its motto is "Screen Time - Service Time," meaning, convert your mobile phone screen time into service time. Students undertaking short-term internships of ten days not only boost the morale of these elderly people but also make them feel like they are with their own children. Under this initiative, students regularly visit the ashram to spend time with the elderly. They keep them informed about the latest news from the country and the world and provide them with a purpose in life through recreational activities and cultural programs. In addition, they also conduct yoga and meditation for better physical health. These efforts bring a smile to the faces of the elderly, making them feel as if they are with their children. Meanwhile, students gain an invaluable opportunity to learn from the experiences, struggles, and values ??of the elderly, and to contribute significantly to grassroots service and nation-building. This not only boosts the self-confidence of the elderly, but also instills compassion, patience, gratitude, sensitivity, and respect for elders in the children. Their participation makes the atmosphere of the ashram more intimate, joyful, and family-like. The elderly also wait for the children from early morning. This initiative clearly demonstrates that the purpose of education is not merely to obtain degrees or certificates, but also to cultivate sensitive and responsible citizens. Qualities like compassion, patience, gratitude, and respect for elders are developed not through books but through such experiences. estigious institutions prioritize young people who possess moral values ??and a sense of social responsibility. - Ravi Shankar Sharma

The tradition of vengeance is not breaking, Udhayanidhi's arrest raises many questions

The entire incident heated up the state's politics. Supporters called it political vendetta, while opponents said that any leader's language in public life should be restrained and that the law is equal for all. The politics of Tamil Nadu, a major state in South India, has always been unique. Political struggles in the state are not limited to winning or losing elections; with the change of power, political rivalry has often taken the form of personal conflict. Administrative action, police investigations, court cases, and political accusations and counter-accusations have often become topics of discussion in the state's politics. There have been periodic allegations that governments in power use the government machinery against their opponents. Many political analysts consider Tamil Nadu's politics an example of "vengeance politics." In fact, senior DMK leader Udhayanidhi Stalin, son of former Chief Minister M.K. Stalin and former Deputy Chief Minister, has been embroiled in legal controversy over a controversial statement he made at a public meeting. Complaints were filed across the state regarding his speech. Police arrested Junior Stalin on Tuesday. The entire incident heated up the state's politics. Supporters called it political vendetta, while opponents said that any leader's language in public life should be restrained and that the law is equal for all. This entire incident is not limited to a single controversial statement. It stems from the state's long history of political competition, in which political rivalry often escalates into personal conflict. The political climate here rapidly changes with the change of power, and debates rage over legal action against opponents. Therefore, understanding the state's political landscape requires an understanding of its history and social background. Politics in the state has not been solely a competition between political parties. For a long time, politics revolved around charismatic leaders who distinguished themselves among the public through films and mass movements. Leaders emerging from the Dravidian movement made social justice, regional identity, and respect for the Tamil language central to political discourse. Leaders here became not just politicians but also people's leaders, connecting with the sentiments of millions. Looking back at history, the decades-long political rivalry between the DMK and the AIADMK is a prime example of this. After M.G. Ramachandran (MGR) split from the DMK to form a new party, the state's politics was divided into two poles. The ensuing protracted political conflict between Karunanidhi and J. Jayalalithaa often escalated into personal acrimony. In 2001, the entire nation witnessed the late-night arrest of the then former Chief Minister, M. Karunanidhi. This incident sent a message that a change of power in Tamil Nadu politics is not limited to a change of government, but also impacts political opponents. This history fostered a culture in the state's politics where a trust deficit between the ruling party and the opposition has steadily increased. Governments changed, but the allegations remained the same: cases against opponents, the active involvement of investigative agencies, and accusations of political vendetta. Even today, when police or legal action is taken against a prominent leader, it is discussed not only from a legal perspective but also from a political perspective. Another important aspect of the state's politics is the influence of cinema. Perhaps no other state in the country has such a deep connection between films and politics. From C.N. Annadurai, M. Karunanidhi, MGR and J. Jayalalithaa to actor Vijay, many popular film personalities have entered politics and garnered widespread public support. Here, film popularity often translates into political capital. An actor's fan base gradually becomes a political supporter. This is why controversies related to the film industry often become political controversies. Recent political developments are not limited to the state's borders. Every major change in South Indian politics impacts national politics as well. The DMK has long been a significant party in national opposition politics. Its number of MPs in the Lok Sabha and its support base in South India make it influential in national politics. Consequently, the impact of any major political or legal action in the state is felt in Delhi. The controversy surrounding Udhayanidhi Stalin has also indicated that Tamil Nadu politics is no longer just a battle between the DMK and its opponents. The activism of new political parties in the state, changing social expectations, and the increasing participation of youth are reshaping political equations. Each party is now re-formulating its strategy. There is another aspect to the events surrounding Udhayanidhi's arrest. In a democracy, freedom of expression is the right of every citizen and political party, but it also carries with it the responsibility of language decorum and public life. Sarcasm, criticism, and ideological opposition in political speeches are a natural part of democracy, but when language becomes personal or indecent, controversy is bound to arise. In such cases, the law takes its course. The courts deliver the final verdict. Therefore, it would not be appropriate to view any case solely through a political lens. This could have far-reaching implications at the national level as well. The DMK is a significant face of opposition politics. The Bharatiya Janata Party has also been striving to expand its support base in Tamil Nadu for the past few years. The BJP is constantly trying to convey the message that it can become an alternative political force in the state. If political polarization increases in the state, which party benefits from it will determine future politics.

The greatest strength of democracy is that the roles of both the ruling party and the opposition are equally important. If the ruling party appears to use the law solely to target political opponents or if the opposition does not adhere to democratic norms, neither situation can be considered good for democracy.

Therefore, it is essential that investigative agencies operate with complete impartiality and transparency. The basis for any action should be solely the law and available evidence.

भोजपुर में अवैध स्लॉटर हाउस चलाने वाले परिवार पर शिकंजा, 2.37 करोड़ की संपत्ति कुर्क

भोजपुर में अवैध स्लॉटर हाउस चलाने वाले परिवार पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई हुई। पुलिस ने 2.37 करोड़ रुपये की संपत्ति, जिसमें मकान, थार, कार और स्कूटी शामिल हैं, कुर्क कर ली।भोजपुर के एक परिवार पर पुलिस ने शिकंजा कसा है। यह परिवार अपने ही घर में अवैध रूप से स्लॉटर हाउस चला रहा था। गैंगस्टर एक्ट के तहत पुलिस ने 2.37 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है। अवैध रूप से अर्जित की गई रकम से खरीदी गई थार जब्त की गई है।

एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि चार जनवरी 2026 को भोजपुर के जामा मस्जिद मोहल्ले में तौकीर के मकान में पुलिस ने दबिश दी थी। इस मकान से पुलिस को 420 किलो मीट, औजार और अन्य सामान मिला था।मौके से पांच लोग भी गिरफ्तार किए गए थे। इस मामले में आठ लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। जिसकी जांच में सामने आया है कि भोजपुर के जामा मस्जिद मोहल्ला निवासी आरोपी तौकीर, उसका बेटा तौहीद और पोता तफशीर अन्य लोगों के साथ मिलकर अवैध रूप से स्लॉटर हाउस चला रहे थे।इसके बाद आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट में भी कार्रवाई की गई थी। आरोपियों की संपत्ति कुर्क करने के लिए रिपोर्ट कोर्ट में पेश की गई थी। कोर्ट के आदेश पर शुक्रवार को सीओ आशीष प्रताप सिंह, थाना प्रभारी संजय कुमार ने पुलिस की टीम के साथ जामा मस्जिद मोहल्ले में तौकीर का 804 वर्गमीटर में बना दो मंजिला मकान, एक थार गाड़ी, एक कार और स्कूटी कुर्क की है। एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि कुर्क की संपत्ति की कीमत दो करोड़ 37 लाख 39 हजार 297 रुपये बताई गई है।

मोरा की मिलक में बंदरों का आतंक, 24 घंटे में तीन लोगों पर हमला; घरों में कैद हुए ग्रामीण

मोरा की मिलक समेत आसपास की कॉलोनियों में बंदरों का आतंक बढ़ गया है। बीते 24 घंटे में बंदरों ने तीन लोगों को काटकर घायल कर दिया, जिससे ग्रामीणों में दहशत है। लोग बच्चों और बुजुर्गों को घर से बाहर भेजने से डर रहे हैं।मोरा की मिलक में बंदरों का आतंक अब इस कदर बढ़ गया है कि लोगों का अपने ही घरों में रहना मुश्किल हो गया है। हालात ऐसे हैं कि न लोग आंगन में सो पा रहे हैं और न ही चैन से खाना खा पा रहे हैं। बीते 24 घंटे में बंदरों ने तीन लोगों पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। लगातार हो रहे हमलों से पूरे गांव में दहशत फैल गई है।उधर, आशियाना कॉलोनी, प्रकाश एन्क्लेव, ग्रेसियस और पेसिफिक स्टार होम्स सोसायटी के लोग भी बंदरों के आतंक से परेशान हैं। मोरा की मिलक में चामुंडा मंदिर के पास रहने वाले 53 वर्षीय आबिद गुरुवार रात करीब साढ़े 12 बजे घर के आंगन में सो रहे थे।इसी दौरान एक बंदर अचानक उनके सीने पर आ बैठा और गले पर हमला कर दिया। शोर सुनकर परिजन बाहर दौड़े तो बंदर आबिद से चिपका हुआ था। बेटे तस्लीम ने बताया कि डंडों से भगाने की कोशिश की, लेकिन बंदर लगातार हमला करता रहा।करीब दस मिनट की मशक्कत के बाद वह भागा। इस दौरान उसने आबिद के दोनों हाथों की उंगलियों में भी कई जगह काट लिया। गंभीर रूप से घायल आबिद को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के साथ एंटी रैबीज इंजेक्शन लगाया गया।इसी रात करीब एक बजे होशियार सिंह भी अपने आंगन में सो रहे थे। तभी बंदर ने उन पर हमला कर काट लिया। उनकी चीख सुनकर घर के बच्चे और महिलाएं सहम गए। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे 81 वर्षीय करण सिंह अपने घर की बैठक में खाना खा रहे थे। तभी पीछे से आए बंदर ने उनकी कोहनी के ऊपर काटकर गहरा जख्म कर दिया। खून बहने लगा तो परिजन उन्हें तुरंत कॉसमॉस अस्पताल ले गए, जहां उनका उपचार चल रहा है।

लगातार हमलों से गांव में भय का माहौल है। महिलाएं बच्चों को घर से बाहर नहीं निकलने दे रहीं,

जबकि बुजुर्ग छत और आंगन में जाने से भी डर रहे हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि वन विभाग और प्रशासन ने जल्द कार्रवाई नहीं की तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया का कहना है कि बंदरों की समस्या के निस्तारण के लिए जिले में टास्क फोर्स बनाई जा रही है।मैं आंगन में सो रहा था। अचानक बंदर मेरे सीने पर बैठ गया। पहले आवाज ही नहीं निकल रही थी, फिर उसने गले और हाथों पर काट लिया। परिवार वाले नहीं आते तो जान भी जा सकती थी। - आबिद, मोरा की मिलक,मैं बैठकर में खाना खा रहा था। अचानक पीछे से बंदर ने हमला कर दिया। पूरा कमरा खून से भर गया। अब प्रशासन को सिर्फ आश्वासन नहीं, कार्रवाई करनी होगी। - करण सिंह, मोरा मुस्तकम

संभल में मुर्दों को जिंदा करना और फिर उन्हें मारकर बीमा हड़पने वाले गिरोह के तीन आरोपी पकड़े

संभल क्षेत्र में यह गिरोह काफी पहले से सक्रिय है। बीमा के नाम पर यहां कई बड़े घोटाले सामने आ चुके हैं और इसी क्रम में ये ताजा मामला सामने आया है। पुलिस बीमा क्लेम की गहनता से पड़ताल कराने के साथ ऐसे गिरोह को बेनकाब करने में जुटी है।प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में फर्जी दस्तावेजों के जरिये सरकारी धन हड़पने वाला एक अंतरराज्यीय बीमा गिरोह पकड़ा गया है। संभल पुलिस ने गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो भाई-बहनों समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरोह का सरगना सत्यप्रकाश फरार है। रजपुरा थाना क्षेत्र में हुई इस कार्रवाई ने इलाके में हलचल मचा दी है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि गिरोह का तरीका बेहद शातिर था। आरोपी पहले मृत लोगों को कागजों में जीवित दिखाकर उनके नाम से बैंक खाते खुलवाते थे। इसके लिए फर्जी आधार कार्ड और अन्य दस्तावेज तैयार कराए जाते थे। इसके बाद उन्हीं व्यक्तियों के फर्जी मृत्यु प्रमाणपत्र बनवाकर प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत दो लाख रुपये के बीमा क्लेम के लिए आवेदन किया जाता था।मुर्दों को जिंदा करके मारने का खेल- जांच में सामने आया कि वर्ष 2021 में मृत हो चुकी महिला को वर्ष 2023 में कागजों में जीवित दर्शाते हुए उसके नाम से बैंक खाता खोला गया। इसके बाद फर्जी आधार कार्ड और फर्जी मृत्यु प्रमाणपत्र के आधार पर दो लाख रुपये का बीमा क्लेम लगाया गया। बैंक स्तर पर क्लेम की प्रक्रिया पूरी हो चुकी थी, लेकिन समय रहते सूचना मिलने पर भुगतान रोक दिया गया। एसपी ने बताया कि गिरोह का सरगना सत्यप्रकाश पहले भी संभल और बदायूं में इस तरह की धोखाधड़ी की घटनाओं को अंजाम दे चुका है। मामले की गंभीरता को देखते हुए वर्ष 2024 से अब तक प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत स्वीकृत सभी बीमा दावों की दोबारा जांच कराने के निर्देश दिए गए हैं। इस मामले में पुलिस ने मोहित, उसकी बहन शालू व तेजपाल निवासी कल्हा थाना धनारी को गिरफ्तार किया है।

भारत छोड़ो आंदोलन में मुरादाबाद के 11 वर्षीय बालक सहित छह देशभक्त हुए थे शहीद, रोचक है इतिहास

भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान 10 अगस्त 1942 को मुरादाबाद में निकले जुलूस पर अंग्रेजों ने गोली चला दी थी। 11 वर्षीय जगदीश प्रसाद समेत छह स्वतंत्रता सेनानी शहीद हुए और 200 से अधिक लोग घायल हुए। स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजो भारत छोड़ो आंदोलन (क्विट इंडिया मूवमेंट) का महत्वपूर्ण स्थान है। इस आंदोलन में दिए गए करो या मरो के नारे ने हर भारतीय में जो जोश भरा उसने अंग्रेजों की भारत से विदाई की रूपरेखा तैयार कर दी। इस आंदोलन में भारत के हर हिस्से से उठे ज्वार ने अंग्रेजों ही सत्ता की नींव हिला दी थी। मुरादाबाद भी इससे अछूता नहीं रहा।

आठ अगस्त को आंदोलन की घोषणा के साथ ही यह देश के कौने-कौने में फैल गया। दस अगस्त को मुरादाबाद में भी जुलूस निकाला गया, जिसे रोकने के लिए अंग्रेजों ने निहत्थे आंदोलनकारियों पर गोलियां चलवा दीं, जिसमें 11 वर्षीय बालक सहित छह आंदोलनकारी बलिदान हुए और 200 से अधिक घायल हुए। हालांकि यह केवल सरकारी आंकड़ा मात्र है।आठ अगस्त 1942 को बॉम्बे के गोवालिया टैंक मैदान (जिसे बाद में अगस्त क्रांति मैदान का नाम दिया गया) में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सत्र क्विट इंडिया मूवमेंट का प्रस्ताव पारित हुआ। इसमें अंग्रेजो भारत छोड़ो आंदोलन का नारा दिया गया। नौ अगस्त को महात्मा गांधी सहित कांग्रेस के सभी बड़े नेता गिरफ्तार कर लिए गए। प्रमुख नेताओं की गिरफ्तारी के कारण यह आंदोलन नेतृत्व विहीन हो गया।

जनता ने स्वयं इसका नेतृत्व किया। मुरादाबाद में सभी प्रमुख नेताओं सहित बड़ी संख्या में लोगों की गिरफ्तारी की गईं। गिरफ्तारियों के विरोध में नौ अगस्त को मुरादाबाद के स्वतंत्रता संग्राम के सक्रिय नेताओं ने अंग्रेजों के विरोध में जुलूस निकालने की योजना बनाई। रात भर में यह संदेश दूर-दूर तक गोपनीय तरीके से पहुंचा दिया गया। दस अगस्त की सुबह बड़ी लोग राजकीय इंटर कालेज के मैदान पर एकत्रित होना शुरू हुए। मोहन लाल एडवोकेट, मकसूद अहमद और रामअवतार दीक्षित के नेतृत्व में जुलूस के रूप में अंग्रेजों के विरुद्ध नारेबाजी करते हुए टाउनहाल की ओर बढ़ने लगे। अंग्रेज अधिकारियों ने सूचना मिलने के बाद मंडी बांस पर आंदोलनकारियों को रोकने के लिए फोर्स तैनात कर दी थी। जीआइसी की ओर से आंदोलनकारी आगे बढ़ रही थे, अंग्रेजों ने उन्हें रुकने और वापस जाने के लिए चेताया, लेकिन मन में स्वतंत्रता की चाह से प्रेरित आंदोलनकारियों के पग रुकने को तैयार नहीं थे। इससे गुस्साए अंग्रेज कप्तान ने लाठी चार्ज करा दिया। देशभक्तों की टोली लाठियों की चोट की चिंता किए बिना आगे बढ़ती रही। चोट खाते हुए आगे बढ़ते मां भारती के सपूतों के साहस से झल्लाए अफसरों ने गोली चलाने का आदेश कर दिया।

गोली चलते ही भगदड़ मच गई, सिपाही उनके पीछे भागे। इस भीड़ में शामिल 11 वर्षीय बालक जगदीश प्रसाद पान दरीबा के निकट हाथ में झंडा लिए एक खंभे पर चढ़ने लगा। इस दौरान एक गोली जगदीश प्रसाद को भी लगी और वह खंभे से नीचे गिर गए। अपने अदम्य साहस से जगदीश प्रसाद ने अमर बलिदानियों के बीच अपना नाम लिखवा लिया। वहीं, बचाव के लिए गलियों में भाग रहे लोगों का अंग्रेज सिपाहियों ने पीछा किया। लाठी की चोट और गोली लगने से सैकड़ों की संख्या में आंदोलनकारी घायल हुए।

थोड़ी देर बाद वहां नारेबाजी तो थम गई, लेकिन पीछे रह गई चीख-पुकार और घायलों की कराह। सन्नाटा पसरते ही अंग्रेजों ने शवों को अपने कब्जे में लेना शुरू कर दिया। अमानवीय तरीके से देशभक्तों के शवों को ठेले पर लादकर ले जाया गया। बड़ी संख्या में लोगों अपना जीवन त्यागा, लेकिन घोषणा सिर्फ छह नामों की गई। जिन बलिदानियों के नाम घोषित किए गए उनमें जगदीश प्रसाद शर्मा, प्रेमप्रकाश अग्रवाल, मोतीलाल, रामकुमार, झाऊलाल जाटव और मुमताज तांगे वाला शामिल थे।

दमनकारी घटना से आया उबाल-दस अगस्त की घटना से मुरादाबाद के जन-जन में क्रोध और उबाल था, जिसका प्रतिक्रिया भी हुई। 11 अगस्त को जगह-जगह लोग एकत्रित हुए और हर ओर से अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोह शुरू हो गया। सरकारी भवनों में तोड़-फोड़ की गई। इतिहासकारों के अनुसार कई जगह आगजनी की घटनाएं भी हुई। बताया जाता है कि मुरादाबाद स्टेशन से सरकारी खजाना भी लूटा गया।

बनाया गया शहीद स्मारक-जिस स्थान पर यह घटना हुई थीं, वहां स्वतंत्रता मिलने के बाद बलिदानी स्मारक बनाया गया है। नगर निगम की इसकी देखभाल करता है। स्वतंत्रता दिवस पर यहां ध्वज भी फहराया जाता है और बलिदानियों को श्रद्धांजलि भी दी जाती है।

अंग्रेजों के जुल्म से किया पलायन- इस आंदोलन के बाद अंग्रेजों ने दमन शुरू किया। आंदोलन में शामिल हुए लोगों के साथ ही घायलों और बलिदानियों के परिवारों पर जुल्म ढाना शुरू किया। साथ ही गिरफ्तारियां शुरू की गईं। शिकंजा लगातार कसा जा रहा था, जिसके चलते बड़ी संख्या में लोगों ने पलायन करना शुरू कर दिया था।

संक्षिप्त समाचार

गोकशी करने वालों का इलाज करना ही मेरा काम, रामपुर एसपी का बयान वायरल, अब कहा- भावनाएं आहत करना मंशा नहीं

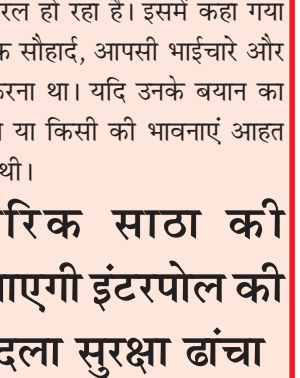

रामपुर में गोकशी की घटनाओं को लेकर एसपी अनिल कुमार सिसोदिया का बयान वायरल हुआ। उन्होंने पुराने आरोपियों का सत्यापन और डोजियर तैयार कराने की बात कही। पुलिस ने स्पष्ट किया कि बयान का उद्देश्य सामाजिक सौहार्द और शांति बनाए रखना था।गोकशी की घटनाओं को लेकर एसपी अनिल कुमार सिसोदिया का एक बयान जमकर वायरल हो रहा है। पुलिस लाइन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान गोकशी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि सच्चा मुसलमान कभी गोकशी जैसा काम नहीं कर सकता। जो लोग यह काम कर रहे हैं ऐसे लोगों का इलाज करना ही मेरा काम है। उनका यह बयान सोशल मीडिया पर भी वायरल हो गया। एसपी ने कहा कि सावन माह में थाना गंज और स्वार क्षेत्र में गोकशी की घटनाएं सामने आई हैं।रामपुर के अधिकांश लोग अमनपसंद और शांतिप्रिय हैं, लेकिन कुछ असामाजिक तत्व माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ पुलिस कानून के दायरे में सख्ती से कार्रवाई करेगी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने पुराने गोकशी के आरोपियों की सूची का सत्यापन शुरू करा दिया है।पांच और दस वर्ष पुराने आरोपियों की जानकारी जुटाकर उनका डोजियर तैयार कराया जाएगा। डोजियर में आरोपियों की पोस्टकार्ड आकार की रंगीन फोटो, उनके खिलाफ दर्ज मुकदमों और अन्य आवश्यक जानकारियों को शामिल किया जाएगा। पूर्व में जेल जा चुके आरोपियों के जमानतदारों के नाम-पते का भी सत्यापन कराया जाएगा।उधर, सोशल मीडिया में रामपुर पुलिस का एक आधिकारिक स्पष्टीकरण भी वायरल हो रहा है। इसमें कहा गया है कि एसपी का उद्देश्य सामाजिक सौहार्द, आपसी भाईचारे और शांति बनाए रखने की अपील करना था। यदि उनके बयान का कोई अन्य अर्थ निकाला गया हो या किसी की भावनाएं आहत हुई हों तो ऐसी कोई मंशा नहीं थी।

मास्टरमाइंड शारिक साठा की गिरफ्तारी को ली जाएगी इंटरपोल की मदद, बवाल से बदला सुरक्षा ढांचा

संभल हिंसा के मास्टरमाइंड शारिक साठा की गिरफ्तारी के लिए इंटरपोल की मदद ली जाएगी। शारिक साठा के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस की तैयारी है। एसपी ने कहा कि इंटरपोल की मदद लेंगे। लुकआउट नोटिस जारी हो चुका है।संभल शहर की जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान 24 नवंबर 2024 को शहर में हुई हिंसा के मुख्य साजिशकर्ताओं में शामिल शारिक साठा की गिरफ्तारी के लिए पुलिस रेड कॉर्नर नोटिस की तैयारी में है। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि इसके लिए इंटरपोल की मदद ली जाएगी। पूर्व के प्रयासों में उसकी गिरफ्तारी न होने पर उसे भगोड़ा घोषित करने के साथ लुकआउट नोटिस जारी किया जा चुका है। संभल बवाल पर केंद्रित न्यायिक जांच आयोग की रिपोर्ट विधानमंडल में पेश होने के बाद पुलिस ने इस मामले में फिर तेजी पकड़ ली है। बवाल के बाद पुलिस ने धर-पकड़ अभियान चलाते हुए कई गिरफ्तारियां की थीं। बाद में एसआईटी ने पूरे मामले की जांच की तो शारिक साठा को इस मामले का मुख्य साजिशकर्ता बताया था। धर-पकड़ अभियान में शारिक साठा गिरोह के मुल्ला अफरोज, गुलाम और वारिस गिरफ्तार हुए थे। एसपी ने बताया कि एसआईटी की पूछताछ में इन्होंने बवाल के दौरान गोली चलाने की बात स्वीकारने के साथ शारिक साठा को मुख्य साजिशकर्ता बताया था। तब से पुलिस उसकी घेराबंदी में लगी है। उसके दुबई में होने की जानकारी के बाद उसे भगोड़ा घोषित करने के साथ उसके विरुद्ध लुकआउट नोटिस जारी किया जा चुका है। एसपी ने कहा कि अब इंटरपोल की मदद से रेड कॉर्नर नोटिस जारी कराया जाएगा। ताकि उसे जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जा सके।साठा की दो करोड़ से अधिक की संपत्ति पर हो चुकी कार्रवाई - पुलिस ने बताया कि बवाल के मुख्य आरोपी के रूप में चिह्नित होने के बाद शारिक साठा की दो करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति को शासन के पक्ष में कराया जा चुका है। यह संपत्ति संभल के दीपा सराय और हिंदूपुरा खेड़ा में थी।शारिक साठा पर दर्ज हैं

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

कांवड़ियों को सुरक्षा के साथ साथ शिविरों में भंडारे और भजन संध्या के पूरे इंतजाम

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। कांवड़ यात्रा को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए हैं। कांवड़ यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को लेकर सभी संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं।जनपद की सभी तहसीलों में कांवड़ सेवा शिविर लगाए गए हैं। बहेड़ी में मुड़िया टोल, सदर में परशुराम मंदिर लाल फाटक, फरीदपुर में देवरनियां-बुखारा रोड, आंवला में भमौरा, मीरगंज में कुलचा खुर्द और नवाबगंज में उपमंडी स्थल पर शिविर बनाए गए हैं।

इन शिविरों में मेडिकल कैंप, शुद्ध पेयजल, भोजन-फलाहार, मोबाइल चार्जिंग, शौचालय, स्नान एवं विश्राम की व्यवस्था की गई है। महिला एवं पुरुष कांवड़ यात्रियों के लिए अलग-अलग शयन व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है।

9 अगस्त को सभी तहसीलों में भंडारों का आयोजन किया जाएगा। आंवला और नवाबगंज के शिविरों में दिन में सांस्कृतिक कार्यक्रम और शाम को भजन संध्या भी होगी।

कांवड़ मार्गों और शिविरों पर साफ-सफाई, प्रकाश, पार्किंग और सुरक्षा व्यवस्था की लगातार निगरानी की जा रही है। पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

जिला प्रशासन ने कांवड़ यात्रियों से निर्धारित मार्गों का प्रयोग करने, अनुशासन बनाए रखने और प्रशासन का सहयोग करने की अपील की है। प्रशासन का लक्ष्य कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराना है।

सीबीगंज क्षेत्र में SP Cit4 और SP Traffic की पैदल गश्त, चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा का जायजा

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। उर्स और कांवड़ से जुड़े प्रचलित आयोजनों को लेकर बरेली पुलिस पूरी तरह से सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए एसपी सिटी मानुष पारीक एवं एसपी ट्रैफिक मो. अकमल खान ने संयुक्त रूप से थाना सीबीगंज क्षेत्र में पुलिस बल के साथ पैदल गश्त की। पुलिस अधिकारियों ने प्रमुख मार्गों, बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों का जायजा लेते हुए सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्थाओं को परखा। इस दौरान अधिकारियों ने आमजन से संवाद कर उनकी समस्याएं भी जानीं और लोगों को सुरक्षा का भरोसा दिलाया। गश्त के दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को पूरी सतर्कता बरतने, संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की प्रभावी चेकिंग करने और यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए गए। उर्स और कांवड़ आयोजनों के मद्देनजर पुलिस की यह पैदल गश्त क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस की मुस्तैदी और सतर्कता का संदेश देती नजर आई। इस दौरान क्षेत्राधिकारी नगर द्वितीय सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

अकीदत के सैलाब में डूबा बरेली, कुल शरीफ के साथ तीन दिवसीय उर्स-ए-रजवी हुआ संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। आला हजरत इमाम अहमद रजा खां फाजिले बरेलवी के तीन दिवसीय उर्स-ए-रजवी का शनिवार दोपहर 2.38 बजे कुल शरीफ की रस्म के साथ समापन हो गया। कुल की खास घड़ी में इस्लामिया कॉलेज मैदान से दरगाह आला हजरत और आसपास की गलियों तक अकीदतमंदों का सैलाब उमड़ पड़ा। देश-विदेश से पहुंचे जायरीन ने कुल शरीफ में शिरकत कर मुल्क में अमन-चैन, खुशहाली और आपसी भाईचारे की दुआ की। एक साथ उठे हजारों हाथों के बीच पूरा इलाका आमीन की सदाओं से गूंज उठा।

उर्स के अंतिम दिन सुबह छह बजे कुरानख्वानी और आठ बजे से महफिल का आयोजन हुआ। देश-विदेश से आए उलमा और सज्जादगान ने खिताब किया तथा नात-ओ-मनकबत के जरिए आला हजरत की दीनी और रूहानी खिदमात को याद किया गया। इससे पहले शुक्रवार रात इस्लामिया कॉलेज मैदान में जलसा हुआ, जिसमें उलमा ने कुरान और पैगंबर-ए-इस्लाम की शिक्षाओं के मुताबिक जिंदगी गुजारने और मजहबी फराइज अदा करने की अपील की। शुक्रवार देर रात मुफ्ती आजम हिंद का कुल शरीफ भी हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में जायरीन शामिल हुए।भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस-प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहा। जिलाधिकारी अविनाश सिंह और एसएसपी अनुराग आर्य ने अधिकारियों के साथ पैदल गश्त कर इस्लामिया मैदान, दरगाह मार्ग, बिहारीपुर चौकी, इस्लामिया मार्केट और पटेल चौक समेत प्रमुख स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। एसपी सिटी मानुष पारीक, एसपी ट्रैफिक अकमल खान समेत अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। कुल शरीफ की रस्म पूरी होने के साथ तीन दिवसीय उर्स का औपचारिक समापन हो गया और बाहर से आए जायरीन की वापसी का सिलसिला शुरू हो गया।

कुरतरा में सफाई व्यवस्था की खुली पोल, कूड़ा निस्तारण केंद्र खुद बना कचरे का ढेर, ग्रामीणों ने की जांच की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। सरकार गांवों को स्वच्छ और साफ-सुथरा बनाने के लिए स्वच्छता अभियान पर लाखों रुपये खर्च कर रही है, लेकिन ग्राम पंचायत कुरतरा में जमीनी हकीकत इन दावों से उलट नजर आ रही है। गांव में जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हैं। हालत यह है कि जिस कूड़ा निस्तारण केंद्र का उद्देश्य गांव की गंदगी को व्यवस्थित तरीके से निस्तारित करना है, वही केंद्र कचरे के ढेर में तब्दील हो गया है। कूड़ा निस्तारण केंद्र के बाहर प्लास्टिक, पॉलीथिन, घरेलू कचरा और अन्य गंदगी बिखरी पड़ी है। कूड़े के बीच आवारा पशु और बंदर घूमते नजर आ रहे हैं। वहीं गांव की कई नालियां भी कचरे से पटी पड़ी हैं। गंदा पानी जमा होने और निकासी प्रभावित होने से ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। झाड़ियों के बीच जमा है कचरा- गांव में कई स्थानों पर कूड़े के साथ झाड़ियां उगी हुई हैं। इससे मच्छर और अन्य कीट-पतंगों के पनपने की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि नियमित सफाई और कूड़ा उठान नहीं होने के कारण समस्या लगातार बढ़ रही है। उनका आरोप है कि स्वच्छता व्यवस्था कागजों में बेहतर दिखाई देती है, लेकिन धरातल पर हालात अलग हैं। ग्रामीणों ने अधिकारियों से कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से गांव का निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था की जांच कराने, नालियों की सफाई कराने और कूड़ा निस्तारण केंद्र से तत्काल कचरा हटवाने की मांग की है। साथ ही नियमित कूड़ा उठान की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की गई है, ताकि गांव में गंदगी और संक्रमण का खतरा कम हो सके। ग्राम प्रधान सगीर हुसैन और ग्राम सचिव हर्ष चौहान के स्तर से सफाई व्यवस्था की निगरानी और कूड़ा निस्तारण की जिम्मेदारी के बीच ग्रामीणों ने सवाल उठाए हैं कि आखिर गांव में नियमित सफाई क्यों नहीं दिखाई दे रही है। ग्रामीणों का कहना है कि जिम्मेदार अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर स्थिति का निरीक्षण कर तत्काल व्यवस्था दुरुस्त करानी चाहिए।

तस्वीरें बयां कर रहीं हकीकत- कुरतरा में कूड़ा निस्तारण केंद्र के बाहर फैला कचरा, गंदगी से भरी नालियां और झाड़ियों के बीच जमा कूड़ा गांव की सफाई व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहा है। अब देखना यह है कि जिम्मेदार अधिकारी इस समस्या का संज्ञान लेकर कब तक सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराते हैं।

एमजेपी रुहेलखंड में एम.एससी. भौतिक विज्ञान में तृतीय चरण की काउंसलिंग 11 को

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली के एप्लाइड फिजिक्स विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2026-27 में एम.एससी. भौतिक विज्ञान में प्रवेश के लिए तृतीय चरण की काउंसलिंग 11 अगस्त 2026 को आयोजित की जाएगी। अभ्यर्थियों को प्रातः 10:00 बजे एप्लाइड फिजिक्स विभाग में रिपोर्ट करना होगा। विभागाध्यक्ष के अनुसार काउंसलिंग मेरिट के आधार पर तथा उत्तर प्रदेश शासन के आरक्षण नियमों के अनुसार होगी। केवल काउंसलिंग के लिए बुलाया जाना प्रवेश की गारंटी नहीं है। सीटें भरने के साथ ही प्रवेश प्रक्रिया समाप्त कर दी जाएगी। अभ्यर्थियों को लाने होंगे आवश्यक दस्तावेज- काउंसलिंग के समय अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन पत्र की हस्ताक्षरित हार्ड कॉपी, सभी अंकपत्र, प्रमाण-पत्र एवं डिग्रियों की मूल एवं स्वप्रमाणित प्रतियां, जाति प्रमाण-पत्र, ईडब्ल्यूएस प्रमाण-पत्र (यदि लागू हो) तथा अन्य आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। ओबीसी अभ्यर्थियों के लिए नॉन-क्रीमी लेयर घोषणा सहित 01 अप्रैल 2023 से पुराना न होने वाला जाति प्रमाण-पत्र आवश्यक होगा। ओबीसी/एससी/एसटी आरक्षण का लाभ केवल उत्तर प्रदेश के मूल निवासी अभ्यर्थियों को देय होगा। इसके अतिरिक्त खेल/एनसीसी आदि के वेटेज का दावा करने वाले अभ्यर्थियों को संबंधित मूल प्रमाण-पत्र, दो पासपोर्ट साइज फोटो, गैप सर्टिफिकेट (यदि लागू हो) तथा आपात स्थिति के लिए अभिभावक का व्हाट्सऐप-सक्षम मोबाइल नंबर भी साथ लाना होगा। प्रवेश शुल्क संबंधी जानकारी- सामान्य अभ्यर्थियों को 27,050 का डिमांड ड्राफ्ट Finance Officer, M.J.P. Rohilkhand University, Bareilly के पक्ष में जमा करना होगा। एससी/एसटी अभ्यर्थी, जिनके अभिभावक की वार्षिक आय 2.50 लाख से कम है, काउंसलिंग के समय 2,050 का डिमांड ड्राफ्ट जमा करेंगे। ऐसे विद्यार्थियों को शासन से छात्रवृत्ति प्राप्त होने के बाद 25,000 शैक्षणिक शुल्क जमा करना होगा; छात्रवृत्ति प्राप्त न होने की स्थिति में शुल्क स्वयं जमा करना होगा। काउंसलिंग स्थल: विभागाध्यक्ष, एप्लाइड फिजिक्स विभाग, महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय, बरेली।

कमिश्नर ने कांवड़ यात्रा मार्ग का निरीक्षण, अधिकारियों संग कांवड़िया को बांटा प्रसाद

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत मण्डलायुक्त बरेली शंभु कुमार एवं पुलिस उपमहानिरीक्षक बरेली परिक्षेत्र अजय साहनी ने शुक्रवार को बरेली बदायूं कांवड़ यात्रा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

इस दौरान उन्होंने कांवड़ियों को फल एवं प्रसाद वितरित कर उनका उत्साहवर्धन भी किया। शुक्रवार को निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पार्किंग स्थलों, रूट डायवर्जन, कंट्रोल रूम, यातायात प्रबंधन एवं सुरक्षा व्यवस्था का गहन जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कांवड़ यात्रा को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

व्यवस्थाओ को पूर्ण करने का निर्देश- अधिकारियों ने पेयजल, प्रकाश, चिकित्सा सुविधाओं सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। गंगा स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों की पार्किंग व्यवस्था का भी निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। मण्डलायुक्त एवं डीआईजी ने गंगा घाटों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने तथा महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए महिला पुलिसकर्मियों की ड्यूटी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही भीड़ नियंत्रण, आपातकालीन सहायता, यातायात व्यवस्था एवं रूट डायवर्जन को प्रभावी बनाए रखने पर जोर दिया गया। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान ध्वनि विस्तारक यंत्र एवं डीजे का प्रयोग शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप ही किया जाए। किसी भी प्रकार की अव्यवस्था, अतिक्रमण या नियमों के उल्लंघन की स्थिति में तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

सावन नियमों के उल्लंघन पर बिरयानी दुकान पर बुलडोजर, दुकानदार हिरासत में

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। बहेड़ी में सावन के नियमों के उल्लंघन पर प्रशासन ने कार्रवाई की। पुलिस और नगर पालिका की टीम ने हाईवे किनारे बिरयानी दुकान का टिनशेड और काउंटर ध्वस्त कर दुकानदार को हिरासत में लिया।

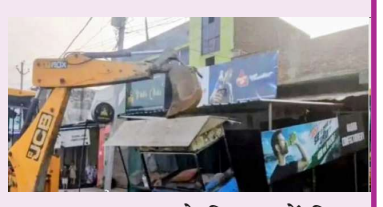

नशे के सौदागर को डोडा छिलका सहित तस्कर सुभाष नगर पुलिस ने किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। थाना सुभाषनगर पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए एक मादक पदार्थ तस्कर को 2 किलो 900 ग्राम डोडा छिलका और 800 रुपये नकद के साथ गिरफ्तार किया है।

पुलिस के मुताबिक आरोपी बरामद डोडा छिलका को उत्तराखंड में सप्लाई करने की फिराक में था। पुलिस टीम 07 अगस्त को संदिग्ध व्यक्ति एवं वाहनों की चेकिंग तथा गश्त कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर ग्राम अंगूरी मार्ग से आरोपी नरेश पाल पुत्र स्व. हेतराम, निवासी ग्राम चकरपुर, थाना फतेहगंज पश्चिमी, जनपद बरेली, उम्र करीब 45 वर्ष को गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से 2 किलो 900 ग्राम डोडा छिलका तथा 800 रुपये नकद बरामद हुए। मामले में थाना सुभाषनगर पर मु0अ0सं0 543/2026, धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग दर्ज कर आरोपी के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जा रही है और उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार आरोपी का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है, जिसमें एनडीपीएस एक्ट, आर्म्स एक्ट समेत मारपीट और अन्य धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं।

पूछताछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह डोडा छिलका लेकर उत्तराखंड में सप्लाई करने जा रहा था, इसी दौरान पुलिस ने उसे मादक पदार्थ सहित दबोच लिया। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार नैन, करगेना उपनिरीक्षक रविन्द्र कुमार, उपनिरीक्षक प्रसून कुमार तथा कांस्टेबल आकाश राणा शामिल रहे।

राहुल गांधी युवाओं से बोले- आप भारत की शक्ति हो, आप भारत की शान हो

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शनिवार को छात्रों से संवाद करने प्रयागराज पहुंचे। करीब डेढ़ बजे विशेष विमान से प्रयागराज पहुंचे राहुल गांधी का कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय समेत पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने स्वागत किया। इसके बाद वह अपने पैतृक निवास स्वराज भवन पहुंचे।शाम को सात बजे राहुल गांधी मंच पर पहुंचे। उन्होंने हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन किया। मैदान में भारी भीड़ है। राहुल गांधी ने कहा कि प्राब्लम है कि पढ़ाई करते हो, पैसा डालते हो लेकिन रोजगार के सारे दरवाजे बंद पड़े हुए हैं। मैन्यूफैक्चरिंग का। दुनिया में मेड इन चाइना वियतनाम, दिखेगा मेड इन इंडिया नहीं दिखेगा। जीएसटी और नोटबंदी ने सारे सिस्टम बंद कर दिया।छात्रों से संवाद कर रहे हैं राहुल गांधी, उनकी बातों को सुन रहे हैं। यूपीपीएससी के प्रतियोगी छात्र ने नार्मलाइजेशन का मुद्दा उठाया। अविनाश नाम के छात्र ने कहा कि 2018 में शिक्षक भर्ती के लिए की थी। अभी तक उसी की तैयारी कर रहा हूं। जगह खाली है लेकिन वैकेंसी नहीं है। सरकार चाहे तो भर्ती हो जाए। 18 से आज तक धरना और ज्ञापन दिया लेकिन सुनवाई नहीं हुई। यूपी ट्रिपल एससी की नौ से दस भर्ती आज तक नहीं हुई। राहुल गांधी ने छात्रों से कहा कि आप भारत की शक्ति हो आप भारत की शान हो। कहा कि जब में ऐसा कहता हूं तो मैं भीड़ की बात नहीं कर रहा रहा होता, मैं युवाओं की बात कर रहा होता हूं।छात्रों की गूंज कार्यक्रम के लिए केपी मैदान में बनाए गए मंच पर राहुल गांधी शाम को ठीक सात बजे पहुंचे। हाथ हिलाकर उन्होंने उपस्थित लोगों का अभिवादन किया। कुछ देर में वह संवाद शुरू करेंगे।बारिश के चलते केपी ग्राउंड में राहुल गांधी के कार्यक्रम स्थल पर जल जमाव हो गया है। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के लिए निर्धारित मुख्य मार्ग पूरी तरह से कीचड़ से सना हुआ है।

भारत-बांग्लादेश सीमा से यूपी तक जाली नोटों का जाल, यूपी एटीएस ने दो आरोपियों को दबोचा

भारत-बांग्लादेश सीमा से यूपी तक जाली नोटों का जाल फैला है। सीमा पार से जाली नोट लाकर यूपी में खपाने वाले दो आरोपियों को एटीएस ने दबोचा है।भारत-बांग्लादेश सीमा से जाली नोट लाकर यूपी में खपाने वाले दो आरोपियों को यूपी एटीएस ने गिरफ्तार किया है। इनके पास से 500 रुपये के 201 जाली नोट बरामद हुए हैं। इनकी कुल कीमत 1,00,500 रुपये है। एटीएस को सूचना मिली थी कि कासगंज के कुछ लोग पश्चिम बंगाल के मालदा से जाली नोट लाकर यूपी के अलग-अलग जिलों में चला रहे हैं। सूचना के बाद एटीएस ने जांच शुरू की।सात अगस्त को एटीएस ने कासगंज के गंजडुंडवारा थाना क्षेत्र के गणेशपुर गांव निवासी अजीम खान और राजा उर्फ समीरुल को लखनऊ से गिरफ्तार किया। तलाशी में उनके पास से 500 रुपये के 201 जाली नोट मिले।एटीएस के मुताबिक, नोटों की जांच भारतीय रिजर्व बैंक के मानकों के अनुसार कराई गई। जांच में नोट जाली पाए गए। आरोपियों से पूछताछ में जाली नोटों की सप्लाई से जुड़े दूसरे लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

दोनों के खिलाफ एटीएस लखनऊ थाने में केस दर्ज किया गया है। एटीएस अब यह पता लगा रही है कि जाली नोट कहां से लाए जाते थे और उन्हें यूपी के किन जिलों में खपाया जाता था।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर तिरंगा यात्रा को लेकर जिला भाजपा की कामकाजी बैठक आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा - स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाली भव्य तिरंगा यात्रा की पूर्व तैयारियों को लेकर भारतीय जनता पार्टी की एक महत्वपूर्ण कामकाजी बैठक जिला कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक में तिरंगा यात्रा के स्वरूप, और व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। विधायक श्री मुकेश टंडन ने तिरंगा यात्रा के माध्यम से देश के अमर बलिदानियों को याद करने का अवसर बताया। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की।जिला महामंत्री एवं कार्यक्रम संयोजक श्री बलवीर रघुवंशी ने आगामी कार्यक्रमों की विस्तार से जानकारी दी जिला मीडिया प्रभारी डा. राहुल जैन ने बताया कि बैठक मे हर घर तिरंगा% अभियान, तिरंगा यात्रा के साथ-साथ जिले भर में %हर घर तिरंगा अभियान को व्यापक स्तर पर चलाने का संकल्प लिया गया।। जिला प्रभारी श्री सीताराम यादव ने संगठन की गतिविधियों समाज के सभी वर्गों की सहभागिता के साथ सफल क्रियान्वयन का आव्हान किया।जन-जागरण एवं सहभागिता के साथ यात्रा का मुख्य उद्देश्य जन-जन में देशभक्ति की भावना का संचार करना है।

बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष श्री महाराज सिंह दांगी ने कहा, 15 अगस्त हमारे देश के गौरव और बलिदान का पर्व है। यह तिरंगा यात्रा केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति का एक महायज्ञ है। जिला भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता इस यात्रा को ऐतिहासिक बनाने के लिए पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करेगा। बैठक का संचालन श्री रमेश यादव एवं युवा मोर्चा अध्यक्ष श्री देवेश मीणा ने सभी उपस्थित पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया ।

बैठक में पार्टी के जिला प्रभारी श्री सीताराम यादव, जिला अध्यक्ष श्री महाराज सिंह दांगी, विधायक श्री मुकेश टंडन,विधायक श्री हरि सप्रे, विधायक श्री सूर्य प्रकाश मीणा ,खादी ग्रामोद्योग बोर्ड उपाध्यक्ष डॉ. राकेश जादोंन,वन विकास निगम उपाध्यक्ष श्री राममोहन बघेल ,प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्री श्याम सुंदर शर्मा,प्रदेश किसान मोर्चा महामंत्री श्री कसान यादव,जिला महामंत्री श्री बलवीर रघुवंशी,श्री अनिल सोनकर,श्री रवि सोनी,जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता रघुवंशी, बासौदा नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती शशि यादव,महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती अंशुलेखा भावसार,श्रीमती गायत्री रघुवंशी, श्रीमती रीना जैन,उपाध्यक्ष श्री संतोष शर्मा,श्री संदीप ठाकुर, डा . राहुल जैन,श्री दुष्यंत धाकड़,श्री राजेश धाकड़ ,श्री संयोग श्रीवास्तव,श्री जय सिंह, मंडल अध्यक्ष श्री सुरेंद्र सिंह चौहान,श्री दिनेश कुशवाह,श्री प्रशांत खत्री,श्री रामेश्वर किरार,श्री अंकित शर्मा सहित जिले के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

शिकायत के बाद भी नहीं हट रहा अवैध कब्जा

क्यूँ न लिखूँ सच / राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच(जालौन) नगर पालिका असिसमेंट में 60 नम्बर पर राम प्रकाश तिवारी निबासी गोखले नगर दर्ज है जिस पर मुहल्ले के ही निबासी वालकेश कुशवाहा पुत्र हरचरन कुशवाहा व आशु रजक पुत्र कमलेश रजक अवैध कब्जा व निर्माण कर रहे हैं जिसकी शिकायत रमेश चन्द्र उर्फ मदन तिवारी पुत्र राम प्रकाश तिवारी ने उपजिलाधिकारी जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक से की लेकिन कोई भी कार्यवाही नहीं हुई उक्त नम्बर पर वर्षों पुराना मंदिर देवी जी शंकर जी हनुमान जी बना है जहां पर उक्त लोगों ने गंदगी फैलाते हुए खुली नाली में लैट्रिन का पानी वहा रहे हैं जिससे दर्शनार्थियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और जो लोग पूजा करने जाते हैं उनके उक्त लोग लड़ाई झगड़ा करते हैं उक्त के समबन्ध में रमेश चन्द्र ने उपजिलाधिकारी अभिनव कुमार यादव को एक शिकायती पत्र देते हुए मंदिर की जगह से अवैध कब्जा हटवाए जाने की मांग की है जिससे लोग पूजा कर के सके और मंदिर का निर्माण कर सकें और मंदिर का निर्माण कर सकें।

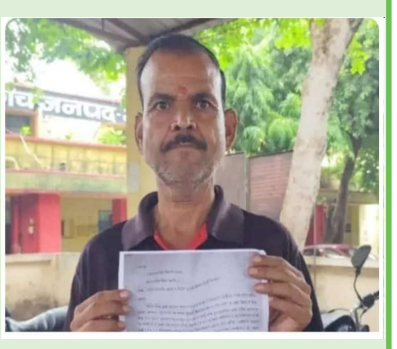

वाराणसी में तीन घंटे में हत्या का खुलासा: मुठभेड़ में आरोपी गिरफ्तार, पत्थर से हमला कर ली थी शख्स की जान

वाराणसी में शनिवार की सुबह एक शख्स की हत्या की गई। मामले में पुलिस सक्रिय हुई और सीसीटीवी फुटेज की मदद से तीन घंटे में ही आरोपी को दबोच लिया। वाराणसी कमिश्नरेट के आदमपुर थाना क्षेत्र में हुई हत्या के आरोपी मोहम्मद ताजिम को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। मुठभेड़ के दौरान आरोपी के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया गया। पुलिस ने घटना के तीन घंटे के भीतर आरोपी को पकड़ने में सफलता हासिल की। शनिवार की सुबह आदमपुर थाना पुलिस को रवि चौहान उर्फ पप्पू की हत्या की सूचना मिली थी। रवि चौहान की सिर पर पत्थर मारकर निर्मम हत्या की गई थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच के लिए कई टीमों का गठन किया गया। घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज का खंगाला गया। फुटेज से आरोपी मोहम्मद ताजिम की पहचान हुई। पुलिस टीमों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए ताजिम को तीन घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।पत्थर मारकर की गई थी शख्स की हत्या - आदमपुर थाना पुलिस को सुबह रवि चौहान की हत्या की खबर मिली। उसकी सिर पर पत्थर मारकर निर्मम हत्या की गई थी। पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और कई टीमें गठित कीं। सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपी मोहम्मद ताजिम की पहचान संभव हो पाई। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए घटना के तीन घंटे के अंदर उसे गिरफ्तार कर लिया।हथियार की बरामदगी के दौरान हुई मुठभेड़-पुलिस अधिकारी के अनुसार, टीम आरोपी ताजिम को हत्या में प्रयुक्त हथियार की बरामदगी के लिए काशी रेलवे स्टेशन के पास ले गई। वहां आरोपी ने एक पुलिसकर्मी से पिस्टल छीनकर भागने का प्रयास किया।

ताजिम ने पुलिस टीम पर दो राउंड फायरिंग भी की। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आरोपी के पैर में गोली लगी। इसके बाद पुलिस ने उसे नियंत्रण में लेकर अस्पताल पहुंचाया।

ससुराल पहुंचा पति, पत्नी के प्रेमी ने धारदार हथियार से किए 17 वार, उपचार के दौरान मौत; आरोपी फरार

मुजफ्फरनगर के बुढ़ाना में अपनी ससुराल आए मेरठ निवासी 28 वर्षीय तालिब पर शनिवार सुबह पत्नी के प्रेमी हासिम ने धारदार हथियार से हमला कर दिया। आरोप है कि विवाद के दौरान तालिब के सिर पर 17 वार किए गए। गंभीर हालत में उसे पहले सीएचसी और फिर मेरठ के चिकित्सालय में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।मुजफ्फरनगर के बुढ़ाना में शनिवार सुबह एक युवक पर धारदार हथियार से हमला कर दिया गया। मृतक की पहचान मेरठ के लिसाढ़ी गेट निवासी तालिब (28) के रूप में हुई है। वह बुढ़ाना स्थित अपनी ससुराल आया हुआ था। उसकी पत्नी मीना (26) भी मायके में थी।पुलिस के अनुसार, शनिवार सुबह करीब आठ बजे तालिब का पत्नी के प्रेमी बताए जा रहे हासिम से विवाद हो गया। इसी दौरान हासिम ने तालिब के सिर पर धारदार हथियार से कई वार किए। गंभीर रूप से घायल तालिब मौके पर गिर गया, जबकि आरोपी वहां से फरार हो गया।सिर पर किए गए 17 वार, हालत हुई गंभीर- हमले की सूचना मिलने पर पुलिस और तालिब के ससुराल वाले मौके पर पहुंचे। सीओ बुढ़ाना गजेंद्र पाल सिंह ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर आसपास के लोगों से जानकारी ली। गंभीर रूप से घायल तालिब को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढ़ाना ले जाया गया। सीएचसी के प्रभारी चिकित्साधिकारी प्रणव तेवतिया ने बताया कि तालिब के सिर पर गंभीर घाव थे और उसकी हालत नाजुक थी। प्राथमिक उपचार के बाद उसे उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर कर दिया गयामेरठ के चिकित्सालय में उपचार के दौरान मौत- सीएचसी से रेफर किए जाने के बाद तालिब को मेरठ के एक चिकित्सालय में भर्ती कराया गया।

वहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। सीओ बुढ़ाना ने भी तालिब की मौत की पुष्टि की है। आरोपी फरार, तहरीर मिलने का इंतजार- पुलिस के अनुसार, घटना के बाद आरोपी हासिम फरार है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। अधिकारियों का कहना है कि अभी तक मामले में कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने के बाद प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। तालिब की मौत के बाद परिवार में शोक है। वह अपने पीछे पत्नी मीना, चार वर्षीय बेटे और करीब दो वर्ष की बेटी को छोड़ गया है।

गाजियाबाद में कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा: शिवभक्तों की सेवा में सड़क पर MP-MLA, तस्वीरों में देखें आस्था के रंग

हरिद्वार से गाजियाबाद तक कांवड़ यात्रा अपने चरम पर है। आज शनिवार को कांवड़ यात्रा का 10वां दिन है। गाजियाबाद में सांसद अतुल गर्ग और विधायक अजीत पाल त्यागी ने कांवड़ियों का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया।

गंगोत्री, गौमुख और हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर लौट रहे हजारों कांवड़ियों पर गंगनहर स्थित प्रशासनिक शिविर के पास सांसद अतुल गर्ग और विधायक अजीत पाल त्यागी ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। सांसद अतुल गर्ग और विधायक अजीत पाल त्यागी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार कांवड़ियों को बेहतर सुविधाएं और सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश समेत विभिन्न राज्यों से लाखों श्रद्धालु हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर पैदल अपने गंतव्य की ओर जा रहे हैं।

कांवड़ियों का यह कठिन पैदल सफर भगवान शिव के प्रति उनकी आस्था, भक्ति और समर्पण को दर्शाता है। विधायक अजीत पाल त्यागी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की सीमा से होकर गुजरने वाले श्रद्धालु प्रदेश सरकार की ओर से उपलब्ध कराई जा रही

सुविधाओं की सराहना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर वर्ष करोड़ों श्रद्धालु हरिद्वार से कांवड़ लेकर अपने गंतव्य तक पहुंचते हैं। इससे सनातन धर्म के प्रति आस्था और मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान प्रशासन की ओर से सुरक्षा, चिकित्सा, पेयजल, विश्राम और अन्य जरूरी व्यवस्थाएं की गई हैं, ताकि शिवभक्तों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। अधिकारियों ने कांवड़ यात्रा की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और शिवभक्तों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। एसडीएम कोमल पंवार, नायब तहसीलदार प्रशांत सक्सेना, थाना प्रभारी केके मौर्य, नगर अधिशासी अधिकारी डॉ.शैलेंद्र कुमार सिंह समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जांच में बड़ा खुलासा: जिस कार में सवार था माफिया अतीक अहमद का बेटा अबान, उस पर थे 16 चालान; आठ तो अब भी बाकी

हादसे के समय चालक मोहम्मद जैद और अगली सीट पर बैठे अबान अहमद ने सीट बेल्ट नहीं लगाई थी। कार तेज रफ्तार में डिवाइडर से टकराई, जिससे एयरबैग खुल गए। इसके बावजूद टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा, विशेषकर सहचालक ओर का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो (फ्रंट पैसेंजर) की में माना जा रहा है कि इसी कारण अबान गया। प्रारंभिक जांच हुई।यूपी के झांसी स्थित पूंछ थाना क्षेत्र के अहमद की मौत हुए भीषण सड़क हादसे के बाद ग्राम खिल्ली के पास का रिकॉर्ड भी सामने आया है। परिवहन दुर्घटनाग्रस्त कार ऑनलाइन पोर्टल के अनुसार, कार संख्या विभाग के 2432 मोहम्मद जैद के नाम पंजीकृत है। यूपी 70 एफडब्ल्यू वर्ष 2022 से 2026 के बीच इस वाहन के 16 चालान हुए हैं। इनमें छह चालान ओवरस्पीड के हैं। हादसे के समय भी कार मोहम्मद जैद ही चला रहा था। इससे साफ है कि जैद हमेशा गाड़ी को ओवर स्पीड में चलाया करता था और यह गलती उसे और अबान को लिए भारी पड़ गई।आठ चालान भरे, आठ अब भी बाकी- ऑनलाइन रिकॉर्ड के मुताबिक, 16 चालानों में से आठ का जुर्माना जमा किया जा चुका है, जबकि आठ चालानों का भुगतान अब तक लंबित है। ओवरस्पीड के चालानों में 27 जून 2026 को मेडिकल बाइपास पर काटा गया चालान भी शामिल है।डिवाइडर से टकराकर हुई मौत- गौरतलब है कि गुरुवार सुबह करीब साढ़े दस बजे प्रयागराज से झांसी आ रही तेज रफ्तार कार खिल्ली गांव के पास अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई थी। हादसे में माफिया अतीक अहमद के सबसे छोटे बेटे अबान अहमद और शाकिर उर्फ सोनू की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मोहम्मद जैद, उमर अहमद और फारुख अहजम गंभीर रूप से घायल हो गए।ओवरस्पीड सड़क हादसों की सबसे बड़ी वजह- सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी सुजीत सिंह ने बताया कि अधिकांश सड़क दुर्घटनाएं निर्धारित गति सीमा से अधिक रफ्तार के कारण होती हैं। इसे रोकने के लिए परिवहन विभाग लगातार जागरूकता अभियान चला रहा है और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के ऑनलाइन चालान भी किए जा रहे हैं। उन्होंने वाहन चालकों से निर्धारित गति सीमा का पालन करने और सुरक्षित ड्राइविंग अपनाने की अपील की।सीट बेल्ट नहीं लगी थी, फिर भी खुल गए एयरबैग-मोंठ थाना प्रभारी धर्मेंद्र सिंह के अनुसार, हादसे के समय चालक मोहम्मद जैद और अगली सीट पर बैठे अबान अहमद ने सीट बेल्ट नहीं लगाई थी। कार तेज रफ्तार में डिवाइडर से टकराई, जिससे एयरबैग खुल गए। इसके बावजूद टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा, विशेषकर सहचालक (फ्रंट पैसेंजर) की ओर का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि इसी कारण अबान अहमद की मौत हुई।

घर में चोरी हो जाए तो लोन नहीं चुकाना पड़ता: बीवी पर था भारी कर्जा, पति ने डाल दिया खुद के आशियाने में डाका

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उनकी पत्नी पर स्वयं सहायता समूह का एक लाख रुपये ऋण था। जो वह चुका नहीं पा रहे थे। किसी ने उसको जानकारी दी कि यदि घर में चोरी हो जाए तो ऋण माफ हो जाता है। इसी के चलते उसने घर में चोरी की योजना बनाई और अपने घर में रखी नकदी व पायल चोरी कर ले गया। यूपी के खुर्जा स्थित अरनिया थाना पुलिस ने घर में कूमल लगाकर चोरी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी अपनी पत्नी का समूह ऋण खत्म कराने के लिए अपने ही घर में चोरी कर दी। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही से चोरी की गई नकदी व चांदी की पायल बरामद की। दीवार तोड़कर घर में घुसा था सीओ शोभित कुमार ने बताया कि पांच अगस्त को अरनिया थाना क्षेत्र के सूरतपुर खुर्द गांव निवासी छत्रपाल सिंह ने पुलिस को तहरीर दी थी। इसमें उन्होंने बताया था कि चार अगस्त की रात को वह ईंट भट्ठा पर चौकीदारी की नौकरी करने गए थे। उनकी पत्नी व बहू घर में अकेली थीं। इसी दौरान कोई उनके घर की दीवार तोड़कर अंदर आया। निशानदेही पर चोरी का माल बरामद-कमरे में रखी नकदी व गहने चोरी कर ले गया। इसी के आधार पर अरनिया थाना व स्वाट टीम आरोपी की तलाश में जुट गई। जांच में सामने आया कि छत्रपाल के बेटे शिवम उर्फ कान्हा ने ही अपने घर में चोरी की थी। इसी के चलते पुलिस ने शनिवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और उसकी निशानदेही से चोरी किया गया सामान बरामद किया। किसी ने बताया था घर में चोरी हो जाए तो लोन नहीं चुकाना पड़ता है पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उनकी पत्नी पर स्वयं सहायता समूह का एक लाख रुपये ऋण था। जो वह चुका नहीं पा रहे थे। किसी ने उसको जानकारी दी कि यदि घर में चोरी हो जाए तो ऋण माफ हो जाता है। इसी के चलते उसने घर में चोरी की योजना बनाई और अपने घर में रखी नकदी व पायल चोरी कर ले गया। सीओ ने बताया कि घटना शिवम ने ही की है। इस विषय में परिवार के अन्य किसी सदस्य को जानकारी नहीं थी। आरोपी को न्यायिक हिरासत में लेकर जेल भेज दिया गया है।

62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल द्वारा पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल /श्रावस्ती -भिनगा अमरेन्द्र कुमार वरुण, कमांडेंट, 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा के दिशा-निर्देशन में सीमा क्षेत्र के ग्रामीणों एवं पशुपालकों को बेहतर पशु चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से समवाय सोनपथरी के अंतर्गत जीवंत गांव टंगफसरी में नि:शुल्क पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में डॉ. इमरान खान, पशु चिकित्सा अधिकारी, सोनवा एवं 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल की पशु चिकित्सा टीम द्वारा स्थानीय पशुपालकों के पशुओं की स्वास्थ्य जांच की गई। इस दौरान कुल 37 पशुपालकों के 108 पशुओं की नि:शुल्क जांच एवं स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। शिविर के दौरान आवश्यकतानुसार पशुपालकों को पशुओं के स्वास्थ्य एवं उचित देखभाल के संबंध में चिकित्सकीय परामर्श, आवश्यक सर्जरी तथा नि:शुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। पशु चिकित्सा टीम द्वारा पशुपालकों को पशुओं के पोषण, टीकाकरण, रोगों से बचाव एवं समय पर उपचार के संबंध में भी जागरूक किया गया।

इस अवसर पर 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल द्वारा सीमावर्ती क्षेत्र के ग्रामीणों के साथ निरंतर संपर्क एवं सहयोग स्थापित करते हुए उनके कल्याण के लिए किए जा रहे प्रयासों को रेखांकित किया गया।

इस प्रकार के चिकित्सा शिविरों का उद्देश्य सीमावर्ती ग्रामीणों एवं पशुपालकों को उनके निकट ही आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना तथा उनके पशुधन के स्वास्थ्य संरक्षण में सहयोग प्रदान करना है।

संक्षिप्त समाचार

श्रावस्ती पुलिस ने महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा, साइबर जागरूकता और आत्मनिर्भरता अभियान

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल /श्रावस्ती में मिशन शक्ति फे ज - 5 (द्वितीय चरण) के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने हेतु व्यापक जनजागरूकता अभियान निरंतर संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में शक्ति मोबाइल टीम द्वारा विद्यालयों, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। चौपाल, संवाद एवं जनसंपर्क कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, कानूनी अधिकारों एवं सहायता सेवाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई तथा उन्हें ष्शक्ति दीदीष के रूप में निडर होकर अपनी बात रखने एवं किसी भी प्रकार की समस्या की सूचना तत्काल पुलिस को देने हेतु प्रेरित किया।

महिलाओं एवं बालिकाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों, महिला सुरक्षा संबंधी सेवाओं तथा न्च्छब्ट ऐप एवं ब्ब्न्छै प्रणाली के माध्यम से उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी देते हुए उनका अधिकाधिक उपयोग करने हेतु प्रेरित किया गया। साथ ही शासन द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी देकर उनका लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

नाला निर्माण के दौरान टप न रखने से लोग हो रहे दुर्घटना का शिकार

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती के ब्लॉक जमुनहा को शासन प्रशासन द्वारा विकास के पथपर आगे बढ़ाते हुए कागजों पर प्रथम स्थान तो दिल दिया परंतु धरातल पर आम जनमानस त्रस्त है। यह बातें मेरे द्वारा नहीं आम लोगों की जुबानी कहीं जा रही हैं। विकास का जीता जागता उदाहरण ब्लॉक मुख्यालय से गंगापुर मार्ग, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मल्हीपुर से ग्राम पटना के बीच दर्जनों बार स्थानीय दुकानदारों द्वारा मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर शिकायत की जिसे विभाग मनमानी तरीके से कार्य करने का हवाला देते हुए समस्या का समाधान कर दिया गया। जबकि आज भी सड़क की हालत बद से बदतर बनी हुई है। इसी प्रकार जनपद श्रावस्ती के इंडो नेपाल बार्डर से सटा जमुनहा बाजार पुरानी पुलिस चौकी के सामने तक बनाया गया नाला जिसपर नाम मात्र टप रखने से बाजार आने वाले ग्राहकों व वाहन चालकों को मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है। बाजार वासियों का कहना है की नाला के ऊपर टप ना रखने से आए दिन ग्राहकों, राहगीरों तथा वाहन चालक दुर्घटना का शिकार हो रहे है।

नहर में उतराता मिला नवजात का शव, सूचना पर पहुंची पुलिस

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती-थाना इकौना थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गोविंदपुर स्थित सरयू नहर में सुबह करीब आठ बजे एक नवजात शिशु (बालक) का शव उतराता दिखा। इससे पहले कि पुलिस मौके पर पहुंचती शव आगे निकल गया। पुलिस नहर में शव की तलाश करा रही है। इकौना थाना क्षेत्र के ग्राम गोविंदपुर स्थित सरयू नहर में एक नवजात शिशु का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक, नवजात का शव नहर के पानी के थपेड़ों में फंसा हुआ दिखाई दिया। काफी देर तक पानी में फंसे रहने के बाद शव आगे बहने लगा, जिसे देखकर आसपास मौजूद लोगों ने इसकी सूचना दी। नवजात का शव देखते ही मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि बच्चा करीब एक से दो दिन का प्रतीत हो रहा है। आशंका जताई जा रही है कि जन्म के बाद किसी ने नवजात को नहर में फेंक दिया होगा, हालांकि इसकी अभी पुष्टि नहीं हुई है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि नवजात का शव इसी क्षेत्र में फेंका गया था या पानी के बहाव के साथ कहीं और से बहकर आया है। घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और नवजात के शव को नहर से बाहर निकालने का प्रयास किया जा रहा है।

डीएम व एसएसपी नें पुलिस कांवड़ बूथ का निरीक्षण किया

क्यूँ न लिखूँ सच / जिलाधिकारी अवनीश राय एवं एसएसपी अंकिता शर्मा द्वारा श्रावण मास व कावड़ यात्रा के दृष्टिगत बिनावर- बरेली मार्ग पर एवं बदायूँ मेडिकल बाईपास पर बने पुलिस कांवड़ बूथ का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं का विस्तृत जायजा लिया गया । निरीक्षण के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, आवागमन, स्वच्छता, तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओ का जायजा लेकर सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये । इस दौरान थाना प्रभारी बिनावर व थाना प्रभारी सिविल लाइन सहित अन्य प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे ।

9 से 17 अगस्त तक मनाया जाएगा 'हर घर तिरंगा अभियान'

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के निर्देशानुसार जिले में 9 से 17 अगस्त 2026 तक 'हर घर तिरंगा अभियान' मनाया जाएगा। इस बार अभियान को राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर से भी जोड़ा गया है। अभियान के दौरान आयोजित कार्यक्रमों में तिरंगा फहराने के साथ वंदे मातरम का सामूहिक गायन किया जाएगा। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा ने जिले के सभी कार्यालय प्रमुखों को अभियान के संबंध में आवश्यक निर्देश जारी किए हैं।

अभियान के तहत जिले में तिरंगा प्रदर्शनी, तिरंगा रंगोली, तिरंगा बुनाई, प्रश्नोत्तरी, तिरंगा सजावट, नुक्कड़ नाटक, तिरंगा संगीत कार्यक्रम, तिरंगा बाइक रैली और तिरंगा यात्रा सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सेना के जवानों एवं पुलिसकर्मियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए पत्र लेखन कार्यक्रम भी होगा। स्वयं सहायता समूहों और उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से खादी एवं पॉलिएस्टर के राष्ट्रीय ध्वज नागरिकों को उपलब्ध कराए जाएंगे।

प्रशासन ने नागरिकों से अपने घरों, कार्यालयों और वाहनों पर तिरंगा लगाने तथा तिरंगे के साथ सेल्फी लेकर अभियान के पोर्टल पर अपलोड करने की अपील की है।

वंदे मातरम के 150 वर्ष पर विशेष आयोजन- शासकीय कार्यक्रमों, स्कूल-कॉलेजों एवं सार्वजनिक सभाओं में पहले राष्ट्रगीत वंदे मातरम का गायन और उसके बाद राष्ट्रगान जन गण मन होगा। वंदे मातरम के गायन के दौरान सभी अधिकारी, कर्मचारी एवं नागरिक सावधान की मुद्रा में सम्मानपूर्वक खड़े रहेंगे। प्रत्यक्ष आयोजनों में वंदे मातरम गायन के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराने या प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए हैं।14 अगस्त को मनाया जाएगा विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस अभियान के तहत 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया जाएगा। इस दौरान जिला एवं संभाग स्तर पर शांति मार्च, शहीदों की स्मृति में सभाएं और विभाजन से प्रभावित परिवारों अथवा उनके प्रतिनिधियों के अनुभव साझा करने के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सार्वजनिक स्थलों, पुस्तकालयों एवं प्रशासनिक भवनों में विभाजन की ऐतिहासिक घटनाओं पर आधारित चित्र प्रदर्शनियां भी लगाई जाएंगी।

कार्यक्रमों का उद्देश्य विभाजन के दौरान हुई पीड़ा और विस्थापन को स्मरण करते हुए राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता के प्रति संकल्प को मजबूत करना है। जिले के ब्लॉक एवं ग्राम पंचायत स्तर पर भी स्थानीय संस्थाओं, स्वयं सहायता समूहों, पंचायती राज संस्थाओं, स्कूली बच्चों, स्वयंसेवकों एवं अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

सिविल न्यायालय खनियाधाना में रक्तदान शिविर, 33 यूनिट रक्त संग्रहित

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ खनियाधाना। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवपुरी के तत्वावधान में सिविल न्यायालय खनियाधाना परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवपुरी राजेंद्र प्रसाद सोनी के प्रेरणादायी नेतृत्व, सचिव रंजना चतुर्वेदी के मार्गदर्शन तथा तहसील न्यायालय खनियाधाना की पीठासीन अधिकारी अंजना यादव के निर्देशन में किया गया। रक्तदान शिविर में न्यायिक अधिकारी-कर्मचारी, अधिवक्तागण एवं आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर स्वैच्छिक रक्तदान किया। शिविर में कुल 33 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया।

रक्तदान करने वालों में डॉ. मनोज यादव, विनीत शर्मा (स्टेनो), राहुल राय (साक्ष्य लेखक), कृष्णा कुशवाहा (क्रिमिनल रीडर), विमल साहू, भगवती प्रसाद कुशवाहा, सुनील अहिरवार सहित अधिवक्ता राजाजी बुंदेला, विमल ओझा, सुरेंद्र लोधी एवं अन्य नागरिक शामिल रहे।

इस अवसर पर सिविल अस्पताल खनियाधाना की चिकित्सकीय टीम द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर भी लगाया गया। इसमें न्यायालय के कर्मचारी, अधिवक्ता एवं पक्षकारों सहित 68 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और विभिन्न चिकित्सकीय जांचों का लाभ दिया गया।

रक्तदान शिविर के माध्यम से न्यायालय परिसर से मानव सेवा, परोपकार और सामाजिक उत्तरदायित्व का संदेश दिया गया।

आयोजन में सहभागिता करने वाले सभी रक्तदाताओं एवं स्वास्थ्य परीक्षण में शामिल नागरिकों की सराहना की गई।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत विधायक रघुवंशी एवं कलेक्टर,एसपी का ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंवाद

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा - थाना त्योंदा, चौकी बागरोद एवं शासकीय विद्यालयों का किया भ्रमण, घटेरा पंचायत भवन में ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं, सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण के दिए निर्देश पुलिसिंग में डिजिटल प्लेटफॉर्म के प्रभावी उपयोग पर जोर- थाना त्योंदा में CCTNS, ICJS, e-Rakshak, e-Sakshya, e-Vivechana, e-Summons एवं e-Prosecution की समीक्षा, गुंडा निगरानी एवं जिला बदर फाइलों की ली जानकारी, बासौदा जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत घटेरा के नवीन पंचायत भवन में आयोजित मुख्यमंत्री जन विश्वास संवाद कार्यक्रम एवं जनसमस्या निराकरण शिविर में बासौदा विधायक श्री हरिसिंह रघुवंशी, कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक विदिशा श्री रोहित काशवानी ने ग्रामीणों एवं आवेदकों से सीधे संवाद करते हुए उनकी समस्याएं एवं शिकायतें सुनीं। संबंधित अधिकारियों से प्रकरणों की जानकारी लेते हुए आवश्यक कार्रवाई एवं समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए गए।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी द्वारा सीएम हेल्पलाइन से संबंधित शिकायतों की भी समीक्षा की गई। उन्होंने शिकायतों के निराकरण की स्थिति की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार एवं निर्धारित समय-सीमा में शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इसके पश्चात पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना त्योंदा, चौकी बागरोद एवं क्षेत्र के शासकीय विद्यालयों का भ्रमण कर पुलिस व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया तथा आमजन एवं विद्यार्थियों से संवाद किया गया।थाना भ्रमण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस कार्यप्रणाली, अभिलेखों, लंबित शिकायतों एवं क्षेत्र की कानून-व्यवस्था की स्थिति की जानकारी ली गई। उन्होंने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आमजन के साथ संवेदनशील एवं सहयोगात्मक व्यवहार रखते हुए उनकी समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए थाना भ्रमण के दौरान डिजिटल पुलिसिंग व्यवस्था की समीक्षा- भ्रमण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना त्योंदा एवं चौकी बागरोद का निरीक्षण कर पुलिस कार्यप्रणाली, अभिलेखों, लंबित शिकायतों एवं क्षेत्र की कानून-व्यवस्था संबंधी स्थिति की जानकारी ली गई। थाना भ्रमण के दौरान CCTNS, ICJS, e-Rakshak, e-Sakshya, e-Vivechana, e-Summons °ß´ e-Prosecution जैसे महत्वपूर्ण डिजिटल पुलिसिंग प्लेटफॉर्मों के प्रभावी एवं नियमानुसार उपयोग के संबंध में पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक द्वारा थाने में गुंडा निगरानी एवं जिला बदर फाइलों से संबंधित जानकारी भी ली गई तथा संबंधित रिकॉर्ड एवं निगरानी प्रक्रिया की समीक्षा की गई।

उन्होंने आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों पर प्रभावी निगरानी रखने तथा कानून-व्यवस्था की दृष्टि से आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

If you learn these 5 benefits of wearing slippers indoors, you'll be able to give up your barefoot habit from today.

Besides keeping your feet warm, wearing slippers indoors offers numerous health benefits. Wearing slippers indoors is considered inappropriate in most Indian homes, but with changing times, this practice is gradually diminishing.

Some people still dislike it, while others associate it with health benefits. This article will explore whether wearing slippers indoors is good for health. Protects against dirt and bacteria - If you frequently bring your outdoor shoes indoors, dirt and bacteria from the floor can enter your body through your feet. Wearing slippers indoors is the best option to avoid this. Remove AdsRead News OnlyReduces Sore Foot Pain - Standing or walking on hard tile or wooden floors for long periods of time can cause pain in the feet, especially the soles, and can worsen existing pain. Slippers act as shock absorbers for your feet and provide support even indoors. Body heat is retained - Your feet play an important role in maintaining body temperature. Standing barefoot on the floor for long periods of time will cool your entire body. This can also lead to frequent colds, especially in those with sinus problems. Reduces the risk of injury - Walking indoors without slippers increases the risk of injury, especially from slippery floors or sharp objects. There's also the risk of injury if a small object is left broken on the floor. Keeps the house clean - Using separate slippers indoors reduces the spread of dust and germs. Your house will always appear clean. It also depends on these factors: Walking barefoot indoors is not beneficial for those with weak core strength. People suffering from bunions, hammertoes, or heel pain should also avoid walking indoors without slippers. If you don't have any foot problems, walking barefoot indoors improves balance and coordination. It also strengthens your feet.

Are gene mutations the real culprits of your neck and back pain? New research on zebrafish makes a significant claim.

Are you unable to relieve your neck and back pain with daily balms or sprays? It's possible that a gene mutation is the cause. Neck and back pain is increasingly common these days due to deteriorating lifestyles, often linked to sitting in one position for hours on end, using your phone, and not engaging in physical activity. So, what if we were to believe that this pain might be due to a change in gene activity, not your lifestyle? A recent study reveals this. According to research conducted on zebrafish, neck and back pain may be the result of changes in gene activity. Changes in gene activity pose a risk to spinal discs. This research on zebrafish suggests that changes in gene activity may be a factor in neck and back pain. When these changes occur, the spinal discs, the natural shock absorbers of the spine, become damaged. This research has been published in the journal Communications Biology. The study has revealed that changes in gene activity can lead to mineral deposits in the spine, such as unwanted bone formation in the wrong place, which makes it stiff. Surgery remains the only long-term option - Researchers from Edinburgh and Bristol University in Britain say that these results point towards a future drug target for the treatment of back pain. One of the main causes of this is the gradual deterioration of the spinal discs, which cushion the bones of the spine, which is called intervertebral disc degeneration. There is currently no drug available to prevent or cure this, and surgery is the only long-term option. Spinal discs can also be treated with medication - Lead researcher Erica Kaguy, from the Institute of Genetics and Cancer at the University of Edinburgh, said, "For decades, surgery has been the only effective treatment for disc disease. By understanding the structure of spinal calcification, our studies suggest several ways to slow it down, including a medication that is already being safely used on patients." Kaguy added, "There's still more work to be done, but for a disease that has affected people for generations and for which there was no cure, this is very encouraging."

Lentils are a 'super hack' for removing wrinkles, blemishes, and tanning. Here's how to make creams, packs, and scrubs at home!

The properties of lentils help maintain healthy and glowing skin. Let's learn how to incorporate them into your skincare routine. Lentils not only benefit your health, they also offer numerous benefits for your skin. Whether it's clearing your complexion, removing dead skin cells, or reducing tanning and blemishes. If you rely less on expensive commercial skincare products and more on home remedies, let's learn how to incorporate them into your skincare routine. Lentil Face Pack - A face pack made from lentils can be effective in removing dead skin cells and enhancing your complexion. Ingredients - 2 tablespoons lentils - 1 teaspoon milk - 2-3 drops rose water - Method of preparation and application - To make this face pack, soak 2 tablespoons of lentils overnight. The next morning, grind it finely and mix it with 2-3 drops of rose water and 1 teaspoon of milk. Leave this pack on your face for at least 20 minutes, then massage with wet hands and wash it off with plain water. Lentil Anti-Aging Cream - Whether you're aging at a young age or want to maintain youthful skin as you age, a homemade anti-aging cream can be beneficial. Ingredients - 5 tablespoons of lentils - 3-4 drops of rose water - 1 vitamin E capsule - 1 teaspoon aloe vera gel - 2 teaspoons glycerin - Method of preparation and application - Soak the lentils in rose water overnight. The next day, put it in a mixer and grind it into a fine paste. Now, add 2 teaspoons of glycerin, 1 teaspoon of aloe vera gel, and 3-4 drops of rose water to this fine paste. At last, mix Vitamin E capsule. Your anti-ageing cream is ready, store it in an air tight container. Apply it on the face morning and evening. Lentil scrub- To remove tanning from the face, scrub made from lentils can be included in the skincare routine. Ingredients- 2 teaspoons of lentils - 1 teaspoon of raw milk or curd - 1/2 teaspoon of honey - Method of preparation and application- Make coarse powder of 2 teaspoons of lentils, then prepare the scrub by mixing raw milk and honey in it. Apply it on the face and massage it gently in circular motion for 5 minutes and then wash it with plain water after keeping it for 5 minutes.

When Rani Mukerji's eyes were exchanged in the hospital, their eyes became a protective shield; a funny childhood anecdote

Rani Mukerji once shared a childhood anecdote about being exchanged in the hospital. Read the fascinating story of how the actress's eyes became her savior. When Rani Mukerji was exchanged in the hospital - this is how her mother found out her daughter was locked in a Punjabi family's room. Rani Mukerji, the famous actress of the 90s, still holds sway in Bollywood. She made fewer films, but her choices are such that audiences are automatically drawn to theaters. Not only are people enamored of Rani Mukerji's acting, but they also never tire of praising her voice, smile, and eyes. Did you know that Rani Mukerji's beautiful eyes once saved her from losing her life in childhood? This was revealed by none other than Rani herself in an exclusive interview. Read the full details below about this interesting anecdote from Rani's childhood. Remove AdsRead only newsRani Mukherjee was exchanged in the hospital- In a conversation with Simi Grewal, Rani Mukherjee herself shared the story of being exchanged in the hospital during her childhood. The 'Mardaani' actress had said, "When I was born, I ended up in a Punjabi couple's room and my mother brought me from there. Actually, there's a funny story behind it. When I was born, they exchanged babies in the hospital. My mother saw another baby and said, 'This isn't my daughter. She doesn't have brown eyes. My daughter has brown eyes. Go and find my baby girl.'" Recalling childhood memories, Rani Mukerji further said, "When my mother started looking for me, there was a Punjabi family who had just had their eighth daughter. I was there. Even today, they jokingly say that you're Punjabi." 'My mother was standing talking to an uncle' While talking to Simi Grewal, Rani told that this confusion and "It so exchange happened in the hospital when the nurse took her away. The actress said, happens that when babies are born, they are given certain tags. But it seems the nurse took me to change something and got confused bringing me back. When she left the other baby with my mother, my mother was talking to an uncle. Suddenly, my mother looked at the baby and said, 'Oh my God, this isn't my baby... my daughter has brown eyes.'" Rani Mukerji also revealed in an old interview that she had a feeling she would marry into a Punjabi family. Her prediction proved true, and in 2014, the actress married Aditya Chopra. The couple then welcomed their daughter in 2015. Rani keeps her daughter away from the media spotlight.

Did the singer of Ramayana reject Madhuri Dixit? Her very first ghazal opened the doors to Bollywood, giving rise to many cult songs.

How could anyone turn down Madhuri Dixit's marriage proposal? This question lingers in the minds of many fans. However, there is one singer who reportedly rejected Madhuri. Millions of fans are enamored with Madhuri Dixit, the famous actress of the 90s. Many aspire to catch a glimpse of the "Dhak-Dhak Girl." With her acting and dancing, she captivated millions of viewers. It's perhaps unimaginable that even a beautiful and successful actress like Madhuri Dixit would ever face rejection. However, during her early days, an incident related to her marriage was much talked about. Who was the singer whose name was linked to Madhuri's marriage proposal? Let's read this fascinating story. Did this singer reject Madhuri's marriage proposal? It has often been claimed that the singer who was proposed to by Madhuri Dixit was none other than legendary singer Suresh Wadkar. Suresh Wadkar has sung many evergreen songs like "Lagi Aaj Sawan Ki," "Tum Se Milke Aisa Laga," "Meri Kismat Mein Tu Nahi Shayad," and "Ram Teri Ganga Maili Ho Gayi." For years, the news circulated in Bollywood circles that when Madhuri Dixit's proposal was sent to Suresh Wadkar, he refused, citing her as too thin. However, years later, the singer himself responded to these reports. According to a report in the Times of India, Suresh Wadkar, recalling that period, clarified that the media reports were not entirely accurate. He had said, "Only God knows what might have happened at that time, but I don't know who started this rumor. If Madhuri had married me, would she be where she is today?" He also clarified that Madhuri is a very good friend of his. Suresh Wadkar sang a bhajan in the 1987 "Ramayana" - Speaking of Suresh Wadkar's singing career, he has not only sung many songs in Bollywood, but also lent his voice to Ramanand Sagar's landmark television serial "Ramayana" that aired on Doordarshan in 1987. He sang the bhajan "Jai Dev Jai Jai Mahadev," dedicated to Lord Shiva. This bhajan appears in the scene when Shri Ram goes to Gurukul with his brothers to receive education and praises Lord Shiva. This bhajan became very popular in every household during that era. Suresh Wadkar got his first major career opportunity in 1976 after participating in the "Sur-Singar" competition. There, composer Ravindra Jain was so impressed by his singing that he gave the budding singer a chance to sing in Rajshri Productions' film "Paheli." Subsequently, composer Jaidev commissioned him to sing a ghazal in the film "Gaman," with the lyrics "Seene mein jalan, aankhon mein toofan sa kyun hai." This ghazal became such a hit that Suresh Wadkar became a big name in the music industry overnight.

Pakistani singer Mustafa Zahid sang two cult songs from Awarapan, now dropped from the sequel; lyricist says, "Country first..."

The lyricist has responded to the question of why the Pakistani singer who contributed cult songs to Awarapan didn't return for Awarapan 2. Although Awarapan flopped at the box office in 2007, its songs became cult favorites. Pakistani singer Mustafa Zahid lent his voice to two songs from this cult classic film, "Toh Phir Aao" and "Tera Mera Rishta." The songs from Awarapan made Mustafa Zahid a star in India. His heartbreaking voice resonated in numerous films. He also sang superhit songs like "Zaroorat" (Ek Villain) and "Bhula Dena" (Aashiqui 2). Now that Awarapan 2 has released after 19 years, fans were hoping they would be able to hear Mustafa Zahid's voice again. However, this did not happen. The reason for the Pakistani singer's absence from Awarapan 2? - In a recent interview, Indian lyricist Saeed Quadri explained the reason for Mustafa Zahid's absence from Awarapan 2. It is possible that Mustafa is away from the Indian music industry due to the ban on Pakistani artists in India, and this is probably why he could not make a comeback in Awarapan 2. In a conversation with News 18, Saeed said, "There are many things that have to be done keeping in mind the circumstances and time. The most important thing is that the country should always come first." Country is paramount. Pakistani singer received 25,000 messages - It is worth noting that some time ago, Mustafa Zahid revealed that he had received 25,000 messages from fans asking whether he would return with Awarapan 2. Recently, when the recreated version of 'To Phir Aao' was released, Amaal Malik even credited Mustafa for it. Mustafa reacted by saying, "Borders are dangerous, but love is equally dangerous."